राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 07 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-342 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में 8 और 3 महीने के बच्चे हो गए संक्रमित

कोरोना जैसे चीनी वायरस का भारत में तीसरा केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी का भारत में तीसरा केस मिला है। अहमदाबाद में सोमवार को 2 महीने के बच्चे में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस का संक्रमण मिला।

- गुजरात में 2 महीने का बच्चा पॉजीटिव, सरकार ऐक्टिव

इससे पहले, सोमवार सुबह कर्नाटक में 3 महीने की बच्ची और 8 महीने के बच्चे में यह वायरस मिला था। दोनों बच्चों की जांच बेंगलुरु के एक अस्पताल में की गई थी। गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन

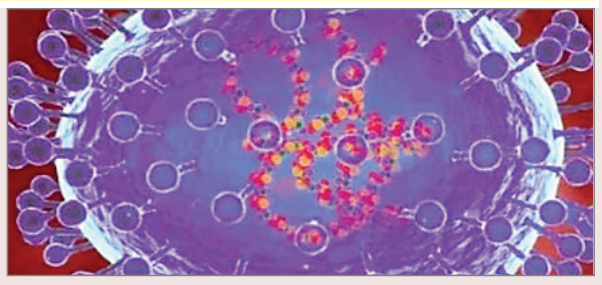

पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उसे बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। शुरुआती 5 दिन उसे तक वेंटीलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई जांचों में वायरस के संक्रमण का पता चला। कर्नाटक के दोनों केस के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई। वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर सबसे ज्यादा असर एचएमपीवी वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं को दिखेगा शहर का भव्य स्वरूप

- गुमनाम शहीदों की दिखेगी गाथा, रात में रोशन होंगे चौराहे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ की विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा ऐतिहासिक आयोजन का स्वरूप इस बार बदला नजर आएग। मेला क्षेत्र के अलावा शहर को भी नया रूप देने की तैयारी की जा रही है। महाकुंम्भ 2025 से पहले प्रयागराज

अपनी पुरातन महिमा के साथ-साथ आधुनिक चकाचौंध से सजा दिखेगा। इसकी शुरुआत भी हो गई है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से संगम नगरी की ऐतिहासिक गरिमा को संजोते हुए शहर को स्मार्ट बनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अलग ही नजारा दिखेगा। इसको देखते हुए शहर के विभिन्न स्थानों का सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प किया जा रहा है, जिससे आने वाले लोगों को और शहर वासियों को स्मार्ट प्रयागराज का अनुभव हो सके।

अपने ही दो बर्खास्त अफसरों को पकड़ नहीं पाई पंजाब पुलिस

- कहां हैं डीएसपी गुरशेर सिंह और एआईजी राज जीत हुंडल,पता नहीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस अपने ही भ्रष्ट अधिकारियों को पकड़ने में नाकाम रही है। ये अधिकारी गंभीर अपराधों के आरोपी हैं और फरार हैं। हम बात कर रहे हैं बर्खास्त एआईजी राज जीत सिंह हुंडल और डीएसपी गुरशेर सिंह संधू की। पुलिस की इस नाकामी की कड़ी आलोचना हो रही है। खासकर इसलिए क्योंकि पुलिस ने कुछ अन्य जघन्य अपराधों को कुछ ही दिनों में

सुलझा लिया है। पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने साल के अंत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस के कामकाज की तारीफ की थी। उन्होंने कई बड़े मामलों को सुलझाने में पुलिस की सफलता पर जोर दिया लेकिन बर्खास्त एआईजी राज जीत सिंह हुंडल और डीएसपी गुरशेर सिंह संधू को गिरफ्तार करने में पुलिस की नाकामी पर उन्होंने कुछ नहीं कहा। बता दें कि हुंडल दो साल से ज़्यादा समय से फरार हैं। हुंडल को 17 अप्रैल, 2023 को बर्खास्त कर दिया गया था। हुंडल ने जमानत पाने के लिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ा नक्सली हमला

पुलिस वाहन को उड़ाया,आठ जवान सहित नौ शहीद,कई घायल

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने बड़ा हमला किया है। जवानों को ले जा रहे एक वाहन पर ब्लास्ट किया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस की टीम नारायणपुर से सर्च ऑपरेशन के बाद लौट रही थी। इस दौरान एक पुलिस वाहन को नक्सलियों ने उड़ा दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार आठ जवान और एक ड्राइवर शहीद हुआ है। नक्सलियों से यह ब्लास्ट दो बजकर 15 मिनट पर किया है। सभी शहीद जवान डीआरजी के हैं। बीजापुर में हुए इस हमले ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। सोमवार को कुटरू इलाके में नक्सलियों ने जवानों से भरे एक बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया।

जानकारी के अनुसार, वाहन पर आईईडी ब्लास्ट किया गया। इस धमाके में नौ जवान शहीद हो गए हैं। कई अन्य जवान गंभीर रूप से घायल भी बताए जा रहे हैं। बस्तर रेंज के आईजी ने इस घटना की पुष्टि की है। यह घटना उस समय हुई जब जवान ऑपरेशन पर निकले थे। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि नक्सलियों ने किस तरह से इस हमले को अंजाम दिया। लेकिन, इस घटना से सुरक्षाबलों की चिंता बढ़

गई है। इससे पहले शनिवार को भी अबूझमाड़ के जंगल में मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में डीआरजी के एक जवान, प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हो गए थे। वहीं, सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली समेत 4 नक्सलियों को मार गिराया था। बीते कुछ समय में यह जवानों पर बड़ा हमला है। मौके पर अन्य जगहों से जवानों की टीम पहुंच रही है। यह घटना कुटरू थाना क्षेत्र के अंबेली गांव के पास की है। 3 दिन पहले ही गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया था। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीम ने नक्सलियों को घेरा था। ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के करीब 300 जवान शामिल थे। ओडिशा के नवरंगपुर की ओर से भी जवानों ने घेराबंदी की थी, जिससे नक्सलियों को भागने का मौका नहीं मिला। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने इसकी पुष्टि की थी।

पीएम मोदी ने जम्मू रेल डिवीजन का किया उद्घाटन, दी सौगात

- कहा-2014 तक 35 फीसदी रेलवे ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन था,अब 100 फीसदी के करीब है

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जम्मू के नए रेलवे डिवीजन और तेलंगाना में चरलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। पीएम ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला भी रखी। पीएम ने कहा- पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक ट्रांसफॉर्मेशन का रहा है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में एक विजिबल चेंज आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ35 फीसदी रेल लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन हुआ था। आज हम रेल लाइनों के शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन के करीब हैं। बीते 10 वर्षों में 30 हजार किमी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। पीएम ने कहा- हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन की चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को देश के और हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ेगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब का काम पूरा हुआ है। भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला-रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर

का मॉर्डनाइजेशन, दूसरा- रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा- रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा- रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सपोर्ट। पिछले दिनों राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू कश्मीर के कई अन्य भाजपा नेताओं ने वैष्णव से मुलाकात की थी।

बीपीएससी कैंडीडेट्स प्रदर्शन में घिरे पीके जाएंगे जेल

कंडीशनल बेल लेने से कर दिया इनकार, जेल जाने को हैं तैयार

पटना (एजेंसी)। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को जेल भेजने की तैयारी है। उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा जा सकता है। पटना सिविल कोर्ट के बाहर इसे लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को पुलिस ने सोमवार सुबह गिरफ्तार किया था। वो 2 जनवरी की शाम 5 बजे से बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन पर थे। पटना सिविल कोर्ट में उनकी पेशी हुई। आरती उपाध्याय की कोर्ट से उन्हें 25

हजार के निजी मुचलके पर बेल मिल गई है। कोर्ट में पेशी के दौरान प्रशांत किशोर ने खुद बहस की। उन्होंने जज को बताया कि किस तरीके से पुलिसिया बर्बरता की गई। कोर्ट से जमानत मिल गई है, लेकिन प्रशांत किशोर सशर्त जमानत लेने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रशांत किशोर बॉन्ड पर साइन नहीं कर रहे हैं। उनकी ओर से जुडिशियल कस्टडी की मांग की गई है। दरअसल कोर्ट ने कहा है कि आगे से ऐसी कोई भी काम नहीं करेंगे जिसकी वजह से दोबारा परेशानियों न हों।

यूपी में 56 महिला विधायकों के सम्मेलन की तैयारियां शुरू

- मुख्यमंत्री योगी से लेकर स्मृति ईरानी तक होंगी शामिल,पुलिस कमिश्नर ने किया निरीक्षण

कानपुर (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित आठ जनवरी को बिठूर में यूपी-उत्तराखंड की महिला विधायकों का प्रतिनिधित्व, सदन की कार्यवाही में सहभागिता बढ़ाने और संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने में महिला सदस्यों की भूमिका पर मंथन होगा।

इसमें उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की महिला विधायकों के साथ ही सांसद भी भाग लेंगी। सम्मेलन का शुभारंभ आठ जनवरी को सामूहिक फोटोग्राफी से होगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई

हैं। सोमवार को फायर सर्विस से लेकर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर हरीश चंदर समेत अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल सिंहपुर, बिठूर स्थित होटल इटरनिटी का निरीक्षण किया। सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का संबोधन होगा।

तमिलनाडु गवर्नर ने बिना स्पीच दिए विधानसभा से किया वॉकआउट

- कहा-राष्ट्रगान का अपमान हुआ,सीएम स्टालिन बोले-ये बचकाना व्यवहार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाड़ के विधानसभा सत्र के दौरान सोमवार को सदन में हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि ने राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए अभिभाषण देने से इनकार कर दिया और सत्र बीच में ही छोड़कर विधानसभा से चले गए। इससे पहले फरवरी 2024 में भी वे ऐसा कर चुके हैं। परंपरा के अनुसार, सदन की कार्यवाही शुरू होने पर राज्य गान तमिल थाई वल्थु गाया जाता है और आखिरी में राष्ट्रगान गाया जाता है। लेकिन राज्यपाल रवि ने इस नियम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राष्ट्रगान दोनों समय गाया जाना चाहिए। राज्यपाल के इस व्यवहार पर सीएम स्टालिन ने कहा कि यह बचकाना और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन है। जब राज्यपाल अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकते,तो इस पद पर क्यों बने हुए हैं।

छत्तीसगढ़ पत्रकार मौत केस

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर मिले 15 निशान

- लिवर के 4 टुकड़े, गर्दन टूटी और हार्ट फटा मिला
- आरोपी ठेकेदार हैदराबाद से गिरफ्तार,कसा शिकंजा

जगदलपुर/बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड सुरेश चंद्राकर गिरफ्तार हो गया है। चंद्राकर को स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम ने 5 जनवरी की देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार किया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी सुरेश, पत्रकार मुकेश चंद्राकर का चचेरा भाई है। मामले में सुरेश के 3 सगे भाइयों समेत 4 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। मुकेश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के 15 निशान मिले थे। कितनी बुरी तरह हत्या की गई, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि लिवर के 4 टुकड़े मिले, गर्दन टूट गई और हार्ट फट गया था। 5 पसलियां भी टूटी हुई थीं। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक दो या दो से अधिक लोगों ने मुकेश की हत्या की है। मुकेश के शरीर पर इतना तेज वार किया गया है

कि शरीर के कई अंग जख्मी हो गए। मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर ने बताया कि उन्होंने 12 सालों में कभी ऐसा केस नहीं देखा। सुरेश चंद्राकर पेशे से ठेकेदार है और राजनीति से भी जुड़ा हुआ है। आरोप है कि मुकेश चंद्राकर ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार की खबर बनाई थी। इसी बात से नाराज सुरेश ने मुकेश की हत्या करवाई। सुरेश ने बीजापुर में अपने बैडमिंटन कोर्ट परिसर में खाने के बहाने बुलाकर अपने भाई और सुपरवाइजर के हाथों मुकेश की हत्या करवा दी थी। सुरेश चंद्राकर को पुलिस लगातार ट्रेस कर रही थी। जानकारी मिली कि वह हैदराबाद की तरफ भागा है। हैदराबाद से कुछ ही दूर पहले एक गाड़ी को पुलिस ने रोका, जिसमें सुरेश चंद्राकर की पत्नी और ड्राइवर मौजूद थे। सुरेश इस गाड़ी को छोड़कर भाग चुका था। पत्नी से पूछताछ करते हुए पुलिस को सुराग मिला, जिसके बाद सुरेश को भी पकड़ लिया गया। हत्याकांड के बाद बनाई गई एसआईटी के अधिकारियों को बदला जा सकता है। इन्वेस्टिगेशन टीम में पहले से ही बीजापुर में पदस्थ कुछ अधिकारियों को शामिल किया गया है। पत्रकारों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामूहिक योगदान से ही बच सकेगी धरा

लेखक - मुकेश तिवारी)

1907के पश्चात जब जब इसकी ईजाद हुई प्लास्टिक में हमारे जनजीवन में अहम भूमिका अदा की, और आज भी हमारे जीवन में इसकी मौजूद की बनी हुई है। 20वीं सदी का तथा कथित आश्चर्यजनक उत्पादन आज हमारे पर्यावरण का धीरे-धीरे गला दबोच रहा है ,और हमारी पर्वत श्रृंखलाओं और समुद्री को दुत गति के साथ प्रदूषित करता जा रहा है। प्लास्टिक कितने दिनों में सड़ता है इसके बारे में निश्चित रूप से कोई नहीं जानता संभव है कि इसमें 450 वर्ष से अधिक का वक्त लग जाए

पिछले तीन दशकों में प्लास्टिक के उत्पादन और खपत में काफी वृद्धि हुई है। आज दूध के बोतल,बैग से लेकर पानी की बोतले , बर्तन,पेन मोबाइल, घरेलू सामान सब कुछ प्लास्टिक से निर्मित है। यह मानव निर्मित होने की वजह से प्रकृति इसे स्वीकार नहीं करती। सिंगल यूज वाली प्लास्टिक की वस्तुओं ने पर्यावरण को काफी क्षति पहुंचाई है। इसकी कम कीमत के कारण इसका उत्पादन काफी बड़े पैमाने पर होता है, और इसके खतरनाक जहरीलेपन को नजरंदाज कर दिया जाता है।आज विश्व भर में 12 अरब टन प्लास्टिक मौजूद हैं, इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है, ऐसा कोई शहर नहीं बचा है। जहां प्लास्टिक कचरे के पहाड़ न बन चुके हो। आंकड़ों पर पर एतबार करें तो विश्व भर में महज पांच में से एक हिस्से के प्लास्टिक की रिसाइकिल हो पातीं है। इस तरह इसका 80फीसदी हिस्सा लैंडफिल साइट अथवा सीधे समुद्र में जा रहा है। प्लास्टिक स्तनधारियों को प्रत्यक्ष रूप से असमय ही मौत के मुख में पहुंचा रहा है। क्यों कि वे इसे गटक रहे हैं,या यह उनके खाने की वस्तुओं में मिल रहा है, ओर इस तरह पादप जीवन को नष्ट कर रहा है, और इसी तरह मानव को भी। हर साल एक लाख से अधिक समुद्री जीव जंतु प्लास्टिक में फंसने के कारण असमय ही मर जाते हैं। काफी बड़ी संख्या में ह्वेल, पक्षी,सील और कछुए समुद्र में प्लास्टिक की थैलियों के फेंके जाने के कारण मार जाते हैं। क्यों कि ये जीव जंतु इन प्लास्टिक की थैलियों को भोजन समझकर ग्रहण कर लेते हैं।

एशिया में सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश में नगर निगमों के ठोस कचरा मैं इसकी मौजूद की सबसे ज्यादा होती है। अकेले हिंदुस्तान में 28,940 टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन प्रतिदिन होता है और इसी तरह वह प्लास्टिक कचरे के उत्पादन में 10 फ़ीसदी से अधिक का योगदान करता है। काबिलेगोर है कि समस्या प्लास्टिक के उत्पादन में इतनी नहीं है, बल्कि एक उपभोक्ता के रूप में इसके कुप्रबंध इसकी रिसाइकलिंग कि आप्रभावी नीतियों से और उत्पादको की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक बड़ी खबरें नदियों से होते हुए 95 फीसदी प्लास्टिक समुद्र में पहुंच रहा है। तकरीबन 1.5करोड टन प्लास्टिक समुद्र में कचरे के तौर पर फेंक दिया जाता है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा हिद महासागर का है, इसके बाद यह कचरा कहा जाता है। यह आज भी एक रहस्य है, वैज्ञानिकों के मुताबिक ज्यादातर कचरा बंगाल की खाड़ी में जमा हो रहा है। विश्व भर में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूकता तो आई है। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिन्होंने सिगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणमों को देखते हुए काफी लम्बे समय से इसके उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व भर में ऐसे 16देश है, जिसमें यूके, अमेरिका, ताइवान जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा तकरीबन 127देश एक ऐसा कानून बनाने की तैयारी में है, जिससे प्लास्टिक का उत्पादन और उपयोग पूरी तरह से बंद किया जा सके।

एशिया में सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश में नगर निगमों के ठोस कचरा मैं इसकी मौजूद की सबसे ज्यादा होती है। अकेले हिंदुस्तान में 28,940 टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन प्रतिदिन होता है और इसी तरह वह प्लास्टिक कचरे के उत्पादन में 10 फ़ीसदी से अधिक का योगदान करता है। काबिलेगोर है कि समस्या प्लास्टिक के उत्पादन में इतनी नहीं है, बल्कि एक उपभोक्ता के रूप में इसके कुप्रबंध इसकी रिसाइकलिंग कि आप्रभावी नीतियों से और उत्पादको की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से है। फिर कचरा प्रबंधन की बुनियादी सुविधा को उन्नत बनाना, इसमें नवाचार जिस द्रुत गति से प्लास्टिक कचरे का उत्पादन बढ़ रहा है उससे तालमेल मिलाकर नहीं चल रहा। कचरा इकट्ठा करने वालों और कबाडी वालों या स्क्रैप डीलरों की अनौपचारिक श्रृंखला की मदद से प्लास्टिक के बोतल कंटेनर आदि पुनः उपयोग में या रिसाइकलिंग के लिए पहुंच जाते हैं। हालांकि इस बात के ठोस प्रयास किया जा रहे हैं कि कठोर प्लास्टिक पैकिंग और रीसाइकिलिंग कंपनियां भी करें। लेकिन सिंगल प्रयोग वाले अन्य प्लास्टिक उत्पादनों जैसे थैली। कैंडी को लपेटने वाली प्लास्टिक ,तंबाकू की पैकिंग के लिए प्रयुक्त होने वाले पाउच , साबुन की पैकिंग और शैंपू के खाली पाउच को जमा करना या तो बहुत ही दुरुह होता है या फिर इससे पैसे नहीं मिलते। इसका एक उदाहरण है ई कॉमर्स उद्योग कि शुरूआत होने के बाद से पैकिंग पैकेजिंग कचरे में वृद्धि हुई है। इसका पता इसी से चलता है की कुल उत्पादन के लगभग 40 फ़ीसदी हिस्से का प्रयोग पैकिंग पैकेजिंग के लिए होता है ई-कॉमर्स उद्योग का उपभोक्ता आधार बढ रहा है क्योंकि यह सस्ता, सुलभ समय बचाने वाला होता है। कोई वही वस्तु जिसका ऑनलाइन ऑर्डर किया जाता है। वह प्लास्टिक बैग में पैक होकर आर्डर करने वाले के पास आता है। यह प्लास्टिक कचरे में इजाफा करता है। पिछले कुछ सालों में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने जैसे पूरी तरह से रोकने की दिशा में ठोस प्रयास हुए हैं और इसमें तेजी आ रही है। चीन एशिया में प्लास्टिक का सबसे बड़ा उत्पादक देश है उसने भी सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों को देखते हुए। पतले प्लास्टिक बैग्स को पूर्णत प्रतिबंधित कर दिया है और मोटे बैग्स पर रिटेलर से शुल्क वसूलना प्रारंभ कर दिया है। माना जाता है कि चीन सरकार की इस पहल से प्लास्टिक बैग के प्रयोग में 70 फ़ीसदी कमी आई है। तेज गति से बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था और 1.3 अरब की जनसंख्या के साथ भारत समुद्र में मिल रहे प्लास्टिक की कचरे में बड़ा योगदान करता है। उसको प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में भी परेशानी हो रही है। सरकार और जनता प्लास्टिक के दुष्परिणामों को भली-भांति समझ रही है और इसे उचित अहमियत दी जा रही है सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध तब तक सफल नहीं होगा जब तक कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति इसके प्रयोग को न ना कहे।

केन्द्रीय सरकार ने भी स्वच्छ भारत और हर घर जल जैसी बड़ी योजनाओं के पश्चात अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने की युद्ध स्तर पर मुहिम छेड़ रखी है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से मोदी ने भारत को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने की घोषणा की थी। उस पर सख्ती से अमल किया जा रहा है। यूरोपीय यूनियन ने भी वर्ष 2021 से सिंगल उसे प्लास्टिक आइटम का उपयोग पूरी तरह से बंद कर का चुकी है जबकि चीन के कमर्शियल हब शंघाई ने भी सिंगल यूज प्लास्टिक पर साल 2025 तक पूर्ण का प्रबंध का लक्ष्य है।

ऐसा नहीं है कि प्लास्टिक सिर्फ जमीन या जल स्रोतों को ही प्रदूषित कर रहा है एक रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति हर सप्ताह एक क्रेडिट कार्ड के आकार जितना प्लास्टिक खा लेता है। जो कि तकरीबन 5 ग्राम जितना बजनी होता है। इसमें से ज्यादातर वह पानी के साथ पीता है। प्लास्टिक को समाप्त किए जाने के साथ-साथ हमें इसके कु प्रबंधन से भी रुवरु होना चाहिए और कैसे रीसाइकलिंग और दोबारा प्रयोग को मुख्यधारा में लाया जाए। इस बारे में भी बड़े स्तर पर जागरूकता और विश्व स्तर पर लक्ष्य के साथ सफाई अभियान चलाने की सख्त जरूरत है ताकि हम कितनी प्रगति कर रहे हैं इसकी जानकारी हमें मिलती रहे। सडने गलने वाले प्लास्टिक और शून्य कचरा की बात को सरकार और पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग अब समझने लगे हैं इसे देखते हुए प्लास्टिक रीसाइकलिंग उद्योग में तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। इस क्रांति से प्लास्टिक के उत्पादन में कच्चे माल को बचाने लैंड फील्ड की समस्या कम करने ऊर्जा की खपत कम करने में सफलता मिलेगी। पर्यावरण को ठीक रखने वाले कई तरह के विकल्पों में मदद से प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनाई जा सकती है। विकल्प के तौर पर दांत साफ करने के लिए बांस का ब्रश, खाद्य कटलरी, अपने आप सड़ने गलने वाले बैग अपने आप सड़ने गलने वाले सैनिटरी नैपकिन,गेहूं के तने आदि का प्रयोग शामिल है। कचरे से निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि इस तरह की योजना तैयार की जाए जिससे कि किसी सामान के प्रयोग के पश्चात उसे खुरदा विक्रेता को लौटा दिया जाए जो उसे उसके निर्माता को वापस कर देगा। एक बार अगर या प्रक्रिया स्थापित हो जाती है तो इससे बड़ी सफलता मिलेगी सामूहिक प्रयास के बिना कुछ भी बदल नहीं सकता। इस तरह के कदम से भले ही वे कितने ही लघु लगे निश्चित रूप से प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे और धरा(पृथ्वी) को बचाने में बड़ा योगदान होगा

लेखक के विषय में -(मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

संपादकीय

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह, डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच संतुलन की जरूरत

विदेश नीति 2025/ के.एस. तोमर

वर्ष 2025 के लिए भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा चुनौतीपूर्ण मुद्दा चीन होगा। हालांकि, साल के अंत में संवाद स्थापित करने के प्रयास हुए हैं। इसके बावजूद, द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े कई पेच बाकी हैं। भारत को विदेश नीति 2025 में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के अनुकूल ढालनी होगी। वैश्विक शक्तियां अमेरिका और पड़ोसी राष्ट्र चीन वैश्विक व्यवस्था को आकार दे रहे हैं। फलत- भारत को ऐसी चुनौतियों का सामना करना होगा, जिनके लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। नीति को दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ तात्कालिक आवश्यकताओं को संतुलित करते हुए भविष्य की दिशा में रूपांतरित करना होगा। भारत की विदेश नीति बीते साल की कई महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाओं के चलते आकार ले रही है, जो 2025 की भू-राजनीतिक और वैश्विक केंद्रित नीति की नींव बनाएंगी। निस्संदेह, भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है, लेकिन प्रमुख शक्तियों और पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। वर्ष 2025 के लिए भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा चुनौतीपूर्ण मुद्दा चीन होगा। हालांकि, साल के अंत में संवाद स्थापित करने के प्रयास हुए हैं। इसके बावजूद, द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े कई पेंच बाकी हैं। लद्दाख में सीमा विवाद, हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर में चीन का बढ़ता प्रभाव और बीजिंग की आक्रामक आर्थिक और सैन्य नीतियां भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सीधा खतरा बन सकती हैं। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव नीति ने पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ उसकी आर्थिक साझेदारी को गहरा किया है, जिसके कारण भारत को चिंता हो रही है, क्योंकि यह घटनाक्रम दक्षिण एशिया में उसकी स्थिति को रणनीतिक रूप से कमजोर कर सकता है। सीमा मुद्दा अनसुलझा है, हालांकि कूटनीतिक वार्ता जारी है। भारत को इस मामले में अत्यधिक आक्रामक दृष्टिकोण से बचते हुए एक संतुलित रुख अपनाना होगा, ताकि क्षेत्रीय अस्थिरता को रोका जा सके। कूटनीतिक और सैन्य प्रयासों को तनाव कम करने और विश्वास निर्माण उपायों पर केंद्रित किया जाना चाहिए। वहीं भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए दक्षिण चीन सागर, ताइवान जल डमरूमध्य और हिंद महासागर में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के दृष्टिगत मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना होगा, ताकि चीन के प्रभाव को संतुलित किया जा सके। भारत के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं, लेकिन इनमें भी कई समस्याएं बनी हुई हैं। हालांकि, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है, लेकिन कई मोर्चों पर तनाव भी बना हुआ है। अमेरिका की बहुपक्षीयता की नीति, जलवायु परिवर्तन पर उसका दृष्टिकोण, और बौद्धिक संपदा अधिकार एवं व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दे अक्सर भारत के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर अमेरिका के साथ गहरे संबंधों को जटिल बना देता है। इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध पर रूस के समर्थन को लेकर अमेरिका की भारत पर बढ़ती दबाव की स्थिति भी रिश्तों में तनाव का कारण है। इन समस्याओं को कूटनीतिक संवाद और बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते कई तरह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। एक ओर, भारत भूटान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाए हुए है, वहीं पाकिस्तान के साथ रिश्ते अब भी तनावपूर्ण हैं। कश्मीर विवाद और सीमा पार आतंकवाद के कारण भारत-पाकिस्तान संबंध लगातार प्रभावित होते रहे हैं। नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव, श्रीलंका के चीन की ओर झुकाव, और पाकिस्तान के साथ अनसुलझे मुद्दे भारत के लिए कठिनाइयां उत्पन्न कर रहे हैं। भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाना चाहिए। भूटान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाना चाहिए और चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का मुकाबला वैकल्पिक पहल के माध्यम से करना चाहिए। हमें यूरोप के साथ रिश्ते को मजबूत करना चाहिए। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना चाहिए, विशेषकर रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। यूरोपीय देशों के साथ भी भारत को सहयोग बढ़ाना चाहिए, खासकर स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।

भारत को वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता प्राप्त करने के लिए प्रयास में मदद सकता है। भारत को जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, और वैश्विक व्यापार सुधार जैसे मुद्दों पर वैश्विक पहल का नेतृत्व करना चाहिए। भारत को अपनी सैन्य क्षमताओं को आधुनिक बनाना चाहिए और महत्वपूर्ण सहयोगियों जैसे अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर खुफिया साझेदारी और आतंकवाद विरोधी उपायों को बढ़ाना चाहिए। पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता निरंतर तनावपूर्ण रहेगा, खासकर सीमा पार आतंकवाद और पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की बढ़ती धमकी के कारण। भारत को पाकिस्तान से कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद के साथ, आतंकवाद के खिलाफ अपनी सैन्य और कूटनीतिक तैयारियों को मजबूत करना होगा। भारत को विदेश नीति 2025 में रणनीतिक स्वायत्तता, क्षेत्रीय सहयोग और वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रमुख शक्तियों के साथ रिश्ते संतुलित करना, पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाना, और वैश्विक शासन में सक्रिय भूमिका निभाना भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा।

(चिंतन-मनन)

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

) क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

विचार मंथन

स्मार्ट सिटी की अनस्मार्ट प्लानिंग, स्मार्ट लूट

(लेखक सनत जैन)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी का था। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक सिटी को 500 करोड रुपए राज्य सरकार द्वारा 500 करोड रुपए स्मार्ट सिटी के लिए आवंटित किए गए थे। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने निर्धारित समय सीमा में स्मार्ट सिटी को अरबों रूपयों का यह धन मुहैया कराया। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में जनप्रतिनिधियों को दूर रखा गया था। स्मार्ट सिटी की कल्पना इस तरह से की गई थी, अधिकारी बेहतर प्लानिंग करें, समय सीमा पर स्मार्ट सिटी का मॉडल पेश करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह प्रोजेक्ट अधिकारियों के हवाले कर स्मार्ट सिटी की परिकल्पना की थी। वह परिकल्पना कहीं पर भी साकार नहीं हुई। स्मार्ट सिटी के लिए विशेष अधिकार दिए गए। इसे नगरीय निकायों से बाहर रखा गया। जनप्रतिनिधियों का भी कोई प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं था। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में संभागीय कमिश्नर, कलेक्टर तथा निगम कमिश्नर को अधिकार दिये गए थे। स्मार्ट सिटी की सफलता और असफलता के लिये यही तीनों अधिकारी जिम्मेदार है। इसके बाद भी किसी भी स्मार्ट सिटी में ऐसा कोई काम नहीं हुआ। जिसे स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित बताया जा सके। देश में बनी लगभग स्मार्ट सिटी में भ्रष्टाचार और मनमानी की गंगा बही। तीनों अधिकारियों ने कमाई की। जनप्रतिनिधि देखते ही रह गये। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल बनने 1957 के बाद नये भोपाल को विकसित किया गया था। अधिकारियों ने नए भोपाल को ही स्मार्ट सिटी बनाने का बीड़ा उठाया। यहां पर अधिकांश जमीन सरकारी थी। न्यू मार्केट से लगी होने के कारण जमीन बेशकीमती थी। स्मार्ट सिटी के लिए 500 करोड रुपए केंद्र सरकार से 500 करोड़ राज्य सरकार से और 400 करोड रुपए स्मार्ट सिटी की जमीन बेचकर जुटाए गए। इसमें से 1351 करोड रुपए अधिकारियों ने खर्च कर दिए। इसमें से 663 करोड रुपए उन कामों में खर्च किए गए, जो स्मार्ट सिटी के अधिकार क्षेत्र के नहीं थे। कई काम नगर निगम भोपाल और भोपाल डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रोजेक्ट को स्मार्ट सिटी के बजट से पूरा करने के लिए खर्चाकर दिए। सरकारी मकानों को तोड़कर स्मार्ट सिटी विकसित की गई। कोई भी काम प्लानिंग से नहीं किया गया। स्मार्ट सिटी ने जिस प्रोजेक्ट पर काम किया, वह सभी प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हैं। अधूरे प्रोजेक्ट को पूरे करने के लिए स्मार्ट सिटी के पास अब बजट नहीं है। जो जमीन स्मार्ट सिटी के लिए अधिग्रहित की गई थी। प्रोजेक्ट में सही तरीके से काम नहीं होने के कारण स्मार्ट सिटी की जमीन और प्लाट भी नहीं बिक पा रहे हैं। जिसके कारण स्मार्ट सिटी के विकास का काम अब पूरी तरह से रुक गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने भी बजट देने पर हाथ खड़े कर लिए हैं। भोपाल के जिन सरकारी मकानों को तोड़ा गया। उसकी कुछ जमीन पर मल्टी स्टोरी बनाकर 471 करोड रुपए मकान बनाने में खर्च कर दिए। यह मकान अभी तक आवंटित नहीं हो पाए हैं। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले बेघर किया गया। कई वर्षों के बाद भी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्मित भवनों का आवंटन नहीं हो पा रहा है। जिस जल्दबाजी में स्मार्ट सिटी के काम कराए गए, वह सब गुणवत्ता विहीन रहे। बनने के साथ ही उसकी मरम्मत में बजट खर्च होने लगा। स्मार्ट सिटी की सड़कों की हालत काफी दयनीय है। स्मार्ट सिटी के जो काम शुरू किए थे। वह भी बंद हो गए हैं। स्मार्ट सिटी की विफलता से विधायक और पार्षद भी नाराज हैं। हजारों करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी स्मार्ट सिटी में कोई ऐसे काम नहीं हुए जिसको बताकर वह चुनाव जीत सके। अब जनप्रतिनिधि भी स्मार्ट सिटी को लेकर सवाल जवाब करते हुए नजर आ रहे हैं। स्मार्ट सिटी के नाम पर निर्माण कार्यों और खरीदी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। अब उसकी चर्चा देशभर की स्मार्ट सिटी में होने लगी है। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों पर यह आरोप लग रहे हैं। देशभर में स्मार्ट सिटी के निर्माण में अधिकारियों ने भारी भ्रष्टाचार कियसा है। स्मार्ट सिटी के काम अधूरे पड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना का यह हाल होगा। इसका इंदाजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं रहा होगा। पंचायती राज योजना में राजीव गांधी ने जिला योजना आयोग में जनप्रतिनिधि और जिला पंचायत के सीईओ को अधिकार दिये थे। पंचायती राज का क्या हश्र हुआ। यह सभी जानते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कस्टम ड्यूटी कटौती के बाद सोने का आयात बढ़ा, सरकार ने शुरु की समीक्षा

नई दिल्ली । सरकार ने सोने समेत करीब दो दर्जन वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके पीछे का मुख्य कारण है सोने की खपत में वृद्धि तथा आयात की बढ़ती संख्या। सोने के आयात में 2024 में भारी वृद्धि का मामला एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। इसके विपरीत रत्न और आभूषण का निर्यात घटा है। सरकार ने पहले ही सोने और चांदी की छड़ों पर कस्टम ड्यूटी कम करके घरेलू स्तर पर वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने का प्रयास किया था। हालांकि, इसके बावजूद सोने के आयात में भारी वृद्धि होने के कारण तैयारियाँ चल रही हैं कि क्या ड्यूटी में वृद्धि का निर्णय लिया जाए। दिसंबर 2024 में सरकार को इस समस्या पर गहन विचार करने के निर्णय का स्पष्ट रूप से उठाना होगा क्योंकि 'मेक इन इंडिया' और निर्यात की राह पर भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए उचित नीतियों को बनाने के लिए सभी पक्षों के सुझाव और आंकड़ों का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की नजर में एक सही निर्णय के लिए इस समस्या को समझना और उसका समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है। जल्द ही इस मुद्दे पर सरकार का उत्तर आएगा।

आईईएक्स ने दिसंबर में 11,132 एमयू का सर्वाधिक मासिक बिजली कारोबार किया

16.62 लाख नवीनीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों का कारोबार किया

नई दिल्ली। भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) ने दिसंबर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उन्होंने सालाना आधार पर 29 प्रतिशत अधिक 1113.2 करोड़ यूनिट (एमयू) की अब तक की सबसे अधिक मासिक बिजली कारोबार` किया है। इसके साथ ही आईईएक्स ने 16.62 लाख नवीनीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों का कारोबार किया, जो सालाना आधार पर 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आईईएक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 के नौ महीनों में सालाना आधार पर 8898.1 करोड़ यूनिट का बिजली कारोबार किया, जिसमें 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाई गई। यह वृद्धि कीमतों को नियंत्रित करने में मदद करती है।` दिसंबर 2024 के महीने के लिए डे अहेड मार्केट (डीएएम) के मार्केट क्लियरिंग प्राइस ने 3.89 रुपये प्रति यूनिट की गिरावट दर्शाई। इस वृद्धि के साथ आईईएक्स ने ऊर्जा सेवाओं में भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और ऊर्जा संयंत्रों की लोकप्रियता को बढ़ाने में मदद की है। आईईएक्स के सफलता के साथ भारतीय ऊर्जा बाजार में नए उत्साह की भावना फैल रही है और ऊर्जा संयंत्रों के संचय और वितरण में सुधार लाने के लिए नए अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 4,510 करोड़ पहुंची

- 2023 में बिक्री बुकिंग 3,410 करोड़ रुपये रही थी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग में तेजी देखी जा रही है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 4,510 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। इससे पहले, 2023 में यही तिमाही में बिक्री बुकिंग 3,410 करोड़ रुपये रही थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स का वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों का कारोबार भी कर रहा है। उन्होंने इस वित्त वर्ष के दौरान बिक्री बुकिंग में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की समयावधि में 10,300 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,820 करोड़ रुपये हो गई है। मैक्रोटेक डेवलपर्स की लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचने वाली यह कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है। उनकी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे आवासीय संपत्ति बाजार में मजबूत उपस्थिति है, जिसके अलावा उन्होंने बेंगलुरु आवास बाजार में भी अपनी अच्छी पहचान बनाई है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनकी सर्वश्रेष्ठ तिमाही बिक्री बुकिंग दर्ज करने पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है, और वे हर साल के मुकाबले नए ऊंचाईयों की ओर बढ़ रहे हैं।

दिसंबर 2024 में कारों की बिक्री में जबर्दस्त उछाल

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने दिसंबर 2024 में बिक्री में 30 प्रतिशत का उछाल दर्ज करते हुए 1,78,248 यूनिट का आंकड़ा पार किया। मारुति सुजुकी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी हुंडई, एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा और किआ मोटर्स ने भी कारें खूब बेचीं। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि दिसंबर में मारुति सुजुकी की कुल घरेलू बिक्री, जिसमें हल्के कमर्शियल वाहन और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति शामिल है, 1,32,523 यूनिट रही यानि 24.44 प्रतिशत रहा। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 1,06,492 यूनिट था। दिसंबर 2024 में कुल घरेलू यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री 1,30,117 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,04,778 यूनिट थी, जो 24.18 प्रतिशत अधिक है। मिनी कारों ऑल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री इस महीने में बढ़कर 7,418 यूनिट हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,557 यूनिट थी। इसी तरह, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री दिसंबर 2023 में 45,741 यूनिट से बढ़कर 54,906 यूनिट हो गई। कंपनी ने कहा कि ब्रेजा, एर्टिगा, फ्रोंक्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी और एक्सएल6 सहित कंपनी की एसयूवी ने दिसंबर 2024 में 55,651 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने में 45,957 यूनिट थी। एमएसआई ने कहा कि दिसंबर में उसका निर्यात 37,419 यूनिट रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 26,884 यूनिट का निर्यात हुआ था। इसी तरह, ऑटोमेकर किआ इंडिया ने बताया कि पिछले साल की तुलना में 2024 में कुल बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,55,038 यूनिट रही, जो अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कंपनी ने 2024 में 6,05,433 यूनिट की अब तक की सबसे अधिक वार्षिक घरेलू बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने पिछले साल कुल 7,64,119 यूनिट (घरेलू और निर्यात सहित) की बिक्री हासिल की। दिसंबर के महीने में, एचएमआईएल ने 55,078 यूनिट (घरेलू 42,208 यूनिट घरेलू और 12,870 यूनिट निर्यात) की कुल मासिक बिक्री की जानकारी दी। एचएमआईएल के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, उद्योग को बड़े पैमाने पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा बावजूद इसके कंपनी 2024 में बिक्री की गति को बनाए

कंपनी ने अपने खुदरा कारोबार का विस्तार करने का लिया निर्णय

बेंगलुरु । रिवर भारत की जानी-मानी खुदरा कंपनी ने इस साल मार्च तक देशभर में 25 नए स्टोर्स खोलने की योजना घोषित की है। इस योजना के अंतर्गत कंपनी ने अपने खुदरा कारोबार का विस्तार करने का निर्णय लिया है। पहला स्टोर कोयंबटूर में कोठारी लेआउट पर खोला गया है, जो तमिलनाडु में इस प्रकार की दूसरी सुविधा है। रिवर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस संबंध में कहा` कि चेन्नई में हमारे प्रथम स्टोर की सफलता के बाद हम अब पूरे तमिलनाडु में विस्तार के लिए तैयार हैं। हम अन्य राज्यों में भी अपनी सुविधाओं को पहुंचाने के उद्देश्य में कार्रवाई कर रहे हैं। कंपनी का लक्ष्य वार्षिक आय को दोगुना करना है, और इसके लिए वह कई उद्यानिकरण कार्यक्रम चला रही है। अल फुतैम ग्रुप, यामाहा मोटर सहित मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड जैसे बड़े निवेशकों का समर्थन कंपनी को मिल रहा है। रिवर वर्तमान में अपने लोकप्रिय स्कूटर इंडी की खुदरा कीमत 1,42,999 रुपये पर बेच रही है और इसके साथ ही नए स्टोर्स में ई-मोबिलिटी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। रिवर की यह पहल बाजार में बड़ी संभावनाएं बनाती है और उसे एक विशेष स्थान देती है।

क्रूड में तेजी से कई शहरों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा!

- ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ने लगी है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 77 डॉलर तक हो गया है जिसका असर सोमवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी ताजा भाव में सोमवार को कई शहरों में तेल के खुदरा दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं. हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 94.77 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे गिरा और 87.89 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 20 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर तो डीजल 23 पैसे बढ़कर 87.67 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 105.41 रुपये लीटर तो डीजल 16 पैसे टूटकर 92.26 रुपये लीटर बिक रहा है।कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में बढ़त दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 73.95 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.70 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1258 अंक गिरा

निफ़्टी 24 हजार से नीचे आया, निवेशकों को 6 लाख करोड़ का नुकसान

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामले आने से भी बाजार टूटने लगा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1258 अंक करीब 1.59 फीसदी नीचे आकर 77,964.99 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भारी बिकवाली बिकवाली के बाद 388.70 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 23,616.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से सनफार्मा और टाइटन को छोड़कर सभी शेयर गिरे हैं। टाटा स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 4 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स समेत सभी अन्य शेयरों में भी गिरावट रही।

कर्नाटक में एचएमपीवी संक्रमण के दो मामले सामने आए हैं। इससे भी बाजार में भय का माहौल आया।

टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफ़सी बैंक, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स और आईटीसी जैसे हैवी वेटेज वाले शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है। वहीं अन्य बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहा, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग तथा जापान का निक्की गिरावट पर रहे जबकि अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले थे। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 50 से ज्यादा अंक चढ़कर 79,281.65 पर खुला। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी सुबह शुरुआत में यह 13.30 अंक की मामूली गिरावट लेकर 23,991.45 पर कारोबार कर रहा था।

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में वृद्धि का अनुमानः रिपोर्ट

- यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में 3 से 4 फीसदी तक की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। इसके आधार पर, फिच ने दर्शाया है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि से भारत की जीडीपी में 6.4 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। डीजल और पेट्रोल की मांग के कारण, जो भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में यह वृद्धि होने का अनुमान है। फिच ने बताया कि वित्त वर्ष 25 के पहले सात महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में 3 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह वृद्धि 5 फीसदी रही थी। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय तेल विपणन कंपनियां वित्तीय वर्ष 2025 में रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव का सामना कर सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रिफाइनिंग मार्जिन मध्य-चक्र स्तर से नीचे गिर सकते हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर अति आपूर्ति, कम उत्पाद दरों और कच्चे तेल की किस्मों के बीच मूल्य अंतर के कारण हो सकता है। अगले वर्ष में सुधार की संभावना है, जो क्षेत्रीय ओवरसप्लाई में कमी और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ आ सकता है। फिच रेटिंग्स के अनुसार, भारतीय तेल विपणन कंपनियों को रिफाइनिंग और विपणन के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में स्थिति में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी शुद्ध रिफाइनर कंपनियों को अपनी मार्केटिंग ऑपरेशंस की कमी के कारण अधिक लाभप्रदता की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। फिच की रिपोर्ट में पेट्रोलियम सेक्टर में भारत की वित्तीय मजबूती के संकेत छुपे हैं, जो आसपासी और अंतरराष्ट्रीय दौरों में एक गंभीर विषय है। अगले सालों में रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार के साथ, उत्पादों की मांग और मुद्रा निर्भरता पर भारत की आर्थिक स्थिति पर व्यापक प्रभाव हो सकता है।

पिछले वर्ष नए कार्यालय स्थल में आपूर्ति में छह प्रतिशत की गिरावट

कार्यालय स्थल की मांग 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट हुई, जो 2023 में 745.6 लाख वर्गफुट थी

नई दिल्ली । देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 में नए कार्यालय स्थल की आपूर्ति में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की गिरावट आई है। इस दौरान मांग अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। इस जानकारी की पुष्टि करते हुए एक रियल एस्टेट सलाहकार ने रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 के दौरान कार्यस्थल की नई आपूर्ति में गिरावट आई है। कुल कार्यालय स्थल की मांग 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट हो गई है, जो 2023 में 745.6 लाख वर्गफुट थी। इस गिरावट के बीच, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में नई आपूर्ति में गिरावट आई है, जबकि मुंबई में इसमें उछाल आया है। विभिन्न शहरों में, नई आपूर्ति की संख्या और जानकारी इस प्रकार है- मुंबई- 83.2 लाख वर्ग फुट, बेंगलुरु- 133.4 लाख वर्ग फुट, दिल्ली-एनसीआर- 46.8 लाख वर्ग फुट, चेन्नई- 21.7 लाख वर्ग फुट, पुणे- 42.2 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद- 102.1 लाख वर्ग फुट, कोलकाता- 13.2 लाख वर्ग फुट, अहमदाबाद- 22.1 लाख वर्ग फुट। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वैश्विक और घरेलू कंपनियों की मांग के बावजूद, नए कार्यालय स्थल की आपूर्ति में गिरावट आई है।

भारतीय खिलौना उद्योग का निर्यात बढ़ा

- निर्यात बढ़ने में सरकार के प्रयास और नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा

नई दिल्ली ।

भारतीय खिलौना उद्योग ने हाल ही में एक उल्लेखनीय मोड़ लिया है जो उसके विकास की कहानी को दर्शाता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में, इस उद्योग ने आयात में 52 फीसदी की गिरावट और निर्यात में 239 फीसदी की वृद्धि देखी है। इसका मामूली संकेतन यह है कि भारतीय खिलौना उद्योग अब एक महत्वपूर्ण खिलौना निर्यातक बन गया है। इस प्रगति के पीछे सरकार के प्रयास और नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की अच्छी बनावट ने इस उद्योग को विकसित किया है। साथ ही, सरकार के सहयोग की मात्रा बढ़ी है जिससे विनिर्माण इकाइयों की संख्या में वृद्धि हुई और निर्भरता कम हुई। भारतीय खिलौना उद्योग को भविष्य में और भी सशक्त बनाने के लिए सुझाव दिए गए हैं। विकास में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है जिससे क्षेत्र में और भी नए उत्पाद विकसित हो सकें। ई-कॉमर्स के माध्यम से संयोजन बढ़ाए जा सकते हैं और निर्यात को संवर्धित किया जा सकता है। इसके साथ ही, सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई अवसर हैं जिन्हें

उद्योग को लाभ देना चाहिए। इस समय उद्योग और सरकार का एक होकर काम करना जरूरी है ताकि भारत ग्लोबल खिलौना मार्केट में भाग ले सके। गति और योगदान में एकीकृत उद्योग और सरकार के संयोजन से, भारतीय खिलौना उद्योग ने एक नई पहचान बनाई है। इसे आगे बढ़ाने के लिए उद्योग को और भी सक्रिय रूप से काम करना होगा और सरकार को भी इसमें सहयोग प्रदान करना होगा।

ओयो ने लागू की पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति

नई दिल्ली ।

प्रमुख कंपनी ओयो ने अपने पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति लागू की है। इस नीति के तहत अब अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति नहीं होगी। यह बदलाव कंपनी ने मेरठ शहर से शुरू किया है और इसका उद्देश्य स्थानीय समाज की सामाजिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए एक सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य अनुभव प्रदान करना है। नई नीति के अनुसार, जोड़ों को अब होटल में चेक-इन करते समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल है। ओयो ने यह निर्णय अपने पार्टनर होटलों को विवेक के आधार पर जोड़ों की बुकिंग अस्वीकार करने का अधिकार प्रदान करके लिया है। यह बदलाव मुख्य रूप से मेरठ में लागू किया गया है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यदि भविष्य में आवश्यकता पाई जाती है तो इसे अन्य शहरों में भी लागू किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य ओयो ब्रांड को एक सुरक्षित, जिम्मेदार और सम्मानजनक आतिथ्य अनुभव प्रदान करने वाला ब्रांड बनाना है। ओयो के

अनुसार, यह कदम नागरिक समाज समूहों के दबाव में उठाया गया है, जिन्होंने अविवाहित जोड़ों को होटलों में चेक-इन करने की अनुमति देने पर विरोध जताया था।

ओयो का मानना है कि इस कदम से परिवारों, छात्रों, व्यवसायियों और धार्मिक यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान किया जा सकेगा। इसके अलावा, ओयो ने घोषणा की है कि वह समय-समय पर इस नीति का मूल्यांकन करेगी और यदि जरूरत पड़ी तो इसे अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। कंपनी ने अपने पार्टनर होटलों और पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षित आतिथ्य प्रथाओं पर सेमिनार आयोजित करने की योजना बनाई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले होटलों को ब्लैकलिस्ट करना और ओयो ब्रांड को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाना है।

अब विल्मर अपने हाई-मार्जिन वाले एफएमसीजी बिजनेस को बढ़ाएगी

विल्मर भारतीय बाजार में पेश कर सकती है वैश्विक एफएमसीजी ब्रांड

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी खाद्य तेल कंपनी अडाणी विल्मर लिमिटेड (एडब्लयूएल) से अडाणी समूह के बाहर निकलने के बाद विल्मर अपने हाई-मार्जिन वाले एफएमसीजी बिजनेस को बढ़ाने पर` विचार करेगी। सूत्रों के अनुसार विल्मर आईटीसी के समान रणनीति अपनाते हुए अपने मुख्य व्यवसाय और व्यापक वितरण नेटवर्क का लाभ उठाने की तैयारी कर रही है। आईटीसी ने एफएमसीजी में विस्तार करने के लिए अपने मजबूत सिगरेट व्यवसाय का इस्तेमाल किया, उसी तरह एडब्लूएल अपने प्रमुख खाद्य तेल व्यवसाय का उपयोग एफएमसीजी वृद्धि के लिए आधार के रूप में करने के लिए तैयार है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि अदाणी समूह के बाहर निकलने के बाद, विल्मर भारतीय बाजार में अधिक वैश्विक एफएमसीजी ब्रांडों को पेश कर सकती है। दिसंबर तिमाही में एडब्ल्यूएल के एफएमसीजी व्यवसाय ने मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल बिक्री की मात्रा में खाद्य और एफएमसीजी की हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई। इस खंड की कुल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़कर नौ प्रतिशत हो गई। इससे पहले अडाणी एंटरप्राइजेज ने बताया था कि वह अडानी विल्मर लिमिटेड में 13 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी एंटरप्राइजेज अडाणी विल्मर से बाहर निकलकर 2 अरब डॉलर (करीब 17000 करोड़ रुपये) से ज्यादा जुटाएगी।

रुपये में गिरावटः भारतीय दवा निर्यातकों को फायदा या हानि?

- दवाओं की कीमतों में भी आ सकता है बदलाव

नई दिल्ली।

डॉलर के मुकाबले रुपये में हालिया गिरावट ने भारतीय दवा निर्यातकों के लिए हलचल मचा दी है। कुछ लोग मानते हैं कि रुपया में गिरावट से निर्यात पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि निर्यात के लिए मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाव पहले से ही किया जाता है। हालांकि, कुछ कह रहे हैं कि इससे दवाओं की कीमतों में भी बदलाव आ सकता है। इस बारे में इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस तरह की उठापटक से बचने के लिए सालाना सौदों में इंतजाम किया जाता है। दवा निर्यात में 80 फीसदी योगदान करने वाली शोध केंद्रित देसी औषधि कंपनियों का संगठन आईपीए ने इस मामले पर जोर दिया है। वर्ष 2023-24 में भारत ने अमेरिका को 8.73 अरब डॉलर की दवाएं निर्यात की थीं, जो देश के कुल दवा निर्यात का 31 फीसदी था। भारतीय दवा कंपनियों के लिए अमेरिका एक महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा, क्योंकि वहां किफायती जेनेरिक दवाएं प्रचलित हैं। इसी संदर्भ में बायोकॉन ऐंड बायोकॉन बायोलॉजिक्स की चेयरपर्सन ने बताया कि रुपये में कमजोरी से भारतीय दवा निर्यातकों को फायदा हो सकता है। उनकी आशा है कि कंपनियाँ रुपये में हुई कमजोरी का इस्तेमाल अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए करेंगी। इस सबके बावजूद, आगे क्या होगा यह समय ही बताएगा। एक ओर खरीदार को अधिक लाभ देने के लिए दवाओं कीमतें बढ़ा सकती हैं, वहीं दूसरी ओर निर्यातकों को मार्जिन समेत मुनाफा कम हो सकता है। फिर भी, भारतीय दवा उद्योग का अमेरिकी बाजार में दबदबा बिगड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब छह माह बाद जून में ही टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो माह के इस दौरे में भारतीय टीम को अंत में 3-1 से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पिछले एक दशक से उसके पास रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गयी है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें बड़े स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से संघर्ष करती दिखी। अब भारतीय टीम करीब छह महीने के बाद जून में टेस्ट खेलेगी और उसका लक्ष्य इस ऑस्ट्रेलिया दौरे की गलतियों को सुधारना रहेगा। भारतीय क्रिकेट टीम अब जून में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। ये टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होगी। टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में। वहीं तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्डस में ओर चौथा 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टेस्ट मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3ः30 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम इसी महीने जनवारी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, इस सीरीज में टेस्ट मैच नहीं खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस घरेलू सीरीज में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से होगी. दोनों टीमें पहले टी20 में कोलकाता में आमना-सामना करेंगी जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मैच 25 को चेन्नई में वहीं तीसरा टी20 मैच 28 को राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को पुणे में जबकि पांचवां और आखिरी टी20 दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी मुकाबला करेगी। वनडे सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से नागपुर में होगी जबकि दूसरा एकदिवसीय 9 फरवरी को कटक में जबकि तीसरा और आखिरी एकदिवसीय 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए यूएई जाएगी।

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करेंगे धवन

-सिंटस टेलर सहित कई पूर्व क्रिकेटर खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले माह होने वाले लीजेंड 90 लीग में भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे। इस टीम में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रोस टेलर, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस, श्रीलंका के एंजेलो परेरा, भारतीय ऑलराउंडर बिपुल शर्मा और वेस्टइंडीज के रयाद एमरिट भी शामिल रहेंगे। लीग में 7 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी और कई कई पूर्व क्रिकेटर भी नजर आयेंगे। मन्नत समूह के स्वामित्व वाली दिल्ली रॉयल्स की टीम राष्ट्रीय राजधानी की भावना और गौरव का प्रतीक है। टीम के मालिकों ने कहा कि अनुभव और कौशल से भरपूर उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेंगी। मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के रहते दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। हमने ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश की है जो, मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़ी रहे।

वहीं ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि, हम काफी भाग्यशाली हैं, जो टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमें इतने बेहतरीन खिलाड़ी मिल पाए हैं। शिखर धवन, रॉस टेलर, लेंडल सिमंस जैसे कई दिग्गजों से सजी हमारी टीम अनुभव और प्रतिभा से भरी हुई है। हमें पूरी उम्मीद है कि दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में जबरदस्त प्रदर्शन करेगी।÷ पिछले सप्ताह एक समारोह के दौरान दिल्ली रॉयल्स ने अपने आधिकारिक लोगो का अनावरण किया था। कवच और ढाल से सजा या यह लोगो टीम की लड़ने की क्षमता, उत्कृष्टता, ताकत, लचीलेपन और वीरता का प्रतीक है।लीजेंड 90 लीग सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसके जरिये कई पूर्व क्रिकेटरों को एक बार फिर एक मंच पर लाया जा रहा है। इससे उन्हें उसी प्रदर्शन को दोहराने का अवसर दिया जा रहा है जो वह कभी करते थे।

डब्ल्यूटीसी सीरीज में 200 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्लयूटीसी) सीरीज में 200 विकेट लेने वाले विश्व के एकमात्र गेंदबाज हैं। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी में ये अहम उपलब्धि हासिल की है। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने गत वर्ष डब्ल्यूटीसी खिताब जीता था। तब उसने द ओवल में हुए फाइनल में भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर को दूसरी पारी में आउट कर अपने विकेटों का दोहरा शतक लगाया है। कमिंस से पहले किसी गेंदबाज ने इतने विकेट नहीं लिए थे।

सुंदर ने सिडनी टेस्ट मैच में 43 गेंदों पर 13 रन बनाए और उन्हें कमिंस ने भारतीय पारी के 43वें ओवर की चौथी गेंद पर साफ बोल्ड किया। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज है। इस सूची में कमिंस के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लॉयन हैं। लॉयन ने 48 टेस्ट में 196 विकेट लिए हैं। वहीं भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन 195 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने 41 मैचों में यह ये विकेट लिए हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 43 मैचों में 165 विकेट के साथ चौथे जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह 35 मैचों में 156 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर हैं। कमिंस ने सबसे तेज 200 विकेट का आंकड़ा लिया है।

भारत क खिलाफ पांच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में कमिंस ने सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए। उन्होंने 2023-25 डब्ल्यूटीसी सत्र में भारत के खिलाफ 17 टेस्ट में 73 विकेट लिए हैं। डब्ल्यूटीसी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कमिंस तीसरे नंबर पर हैं. इस सूची में शीर पर लायन 88 विकेट लेकर पहले जबकि बुमराह 77 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि कमिंस तीसरे नंबर पर हैं। कमिंस ने सिडनी टेस्ट मैच की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को आउट किया था जबकि दूसरी पारी में उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत को आउट किया था।

गौतम गंभीर का सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने का आग्रह

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन को सीनियर खिलाड़ियों से भी घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। गंभीर ने कहा कि अगर आप घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते तो बेहतर टेस्ट खिलाड़ी भी नहीं बन सकते। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये और जो खिलाड़ी ऐसा नहीं करते उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के टीम में रहने को लेकर कहा कि इस बारे में ये दोनो स्वयं ही तय करेंगे। इनमें अब भी शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की ललक है। साथ ही कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी चाहिये। गंभीर ने ये नहीं बताया कि रोहित और कोहली भविष्य में टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि अगली टेस्ट सीरीज होने में अभी छह माह का समय है।

गंभीर ने कहा, अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि छह महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म के साथ ही लोग भी बदल जाते हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली सीरीज के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के हित में होगा। कप्तान रोहित शर्मा अपने खराब फॉर्म के कारण अंतिम टेस्ट में नहीं उतरे थे। इस सीरीज में वह पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाये थे, वहीं विराट ने नौ पारियों में 190 रन बनाए थे। कोहली आठ बार स्लिप में कैच होकर आउट हुए थे।

गंभीर ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ी 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें। उन्होंने कहा, मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को महत्व मिलना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट की जरुरत के अनुसार खिलाड़ी नहीं निकलेंगे। वहीं रोहित और कोहली के भविष्य के बारे में अटकलों पर गंभीर ने कहा कि वे दोनों तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिए क्या सबसे अच्छा है। मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात नहीं कर सकता, यह उन्हें तय करना है, लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि उनमें अभी भी भूख और जुनून है। वे दृढ इंसान हैं और उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाते रहेंगे।

हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, वह नहीं होते तो भारतीय टीम 5-0 से हारती

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जतायी है। हरभजन ने हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की है। हरभजन के अनुसार अगर बुमराह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं होते तो भारतीय टीम 5-0 से सीरीज हारती। केवल बुमराह ही एकमात्र ऐसे भारतीय थे जो मेजबान टीम को परेशान किये हुए थे। बुमराह ने अपने प्रदर्शन से इस सीरीज में कई उपलब्धियों को भी हासिल किया। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में भारत की रिकॉर्ड-तोड़ 295 रन की जीत में उनकी गेंदबाजी की अहम भूमिका थी। बुमराह ने इसके बाद के मैचों में भी कसी हुई गेंदबाजी कर मेजबानों को परेशान करना जारी रखा। वह सीरीज के अंत में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये। इस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। भारत की सीरीज हार के बावजूद बुमराह के प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा की करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय टीक को करारी हार से बचाया। अगर वह सीरीज में नहीं होते तो भारत 5-0 या 4-0 से हार जाता।

बल्लेबाजी शैली में बदलाव के कारण विफल रहे शुभमन : पोंटिंग

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर

ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये। मेलबर्न में उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इसके बाद सिडनी में उन्हें शामिल किया गया पर वह वहां भी असफल रहे। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया। पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ खेलना चाहिये।

रणजी ट्रॉफी खेलकर तकनीकी गलतियों को ठीक करें भारतीय टीम के खिलाड़ी : गावस्कर

-नहीं खेलने वालों के प्रति सख्त रवैयार अपनायें कोच गंभीर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के सभी खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी में खेलने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि रणजी खेलकर खिलाड़ी अपनी तकनीकी कमियों को दूर कर सकते हैं। उनका मानना है कि इससे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने बल्लेबाजी में जो गलतियां की थी वह ठीक होंगी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय बल्लेबाज अपनी गलतियों के कारण विफल रहे थे। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी।

गावस्कर ने कहा, 23 जनवरी से रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। उसमें सभी फिट खिलाड़ियों को खेलना चाहिये। उसमें नहीं खेलने के लिए जो भी बहाना बनाये उसे भारतीय टीम में जगह नहीं दें। उनका मानना था कि अगर खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं, तो कोच गौतम गंभीर को उनके खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिये। उन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त फैसले लेने ही होंगे। उन्होंने कहा, गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो, तुम जो करना चाहते हो करो पर तुम्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलेगी।

गावस्कर ने यह भी कहा कि भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में जो खामियां आई हैं वे घरेलू क्रिकेट के जरिये ही ठीक की जा सकती हैं। मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं, तो आपको इन्हें सुधारने की जरूरत है। यह सिर्फ इस सीरीज की बात नहीं है, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान भी यही हुआ था। साथ ही कहा कि आगामी 2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र को देखते हुए घरेलू क्रिकेट के महत्व को स्वीकार कतरे हुए भारत को अब युवा क्रिकेटरों जैसे यशस्वी जायसवाल और नितीश कुमार रेड्डी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।गावस्कर ने कहा, वे देश और टीम के लिए नाम कमाने के लिए भूखे हैं। ऐसे खिलाड़ियों की ही हमें जरूरत है। अब देखते है कि कितने खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बुमराह का बाहर रहना तय, पीठ में जकड़न से हैं पीड़ित

सिडनी । तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में जकड़न के कारण इंग्लैंड के टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे हालांकि वह एकदिवसीय सीरीज का एकाध मैच खेल सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए उसे इन मैचों से आराम दे सकता है। बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 32 विकेट लिए थे। वह पीठ की जकड़न के कारण ही ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। उन्होंने पांच मैचों की इस श्रृंखला में 150 से ज्यादा ओवर फेंके। माना जा रहा है कि बुमराह अत्यधिक कार्यभार के कारण ही चोटिल हुए है और ऐसे में अब बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बुमराह पर ही आधारित रहेगा। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन काफी हद तक बुमराह की मौजूदगी पर निर्भर करेगा।

बुमराह की पीठ की जकड़न कितनी अधिक है अभी ये पता हीं चला है। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से करेगी। बुमराह की चोट अगर ग्रेड एक श्रेणी की रहेगी तो अन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैबिलिटेशन में रहना होगा। ग्रेड दो की चोट से उबरने में छह सप्ताह लग सकते हैं जबकि गंभीर माने जाने वाले ग्रेड तीन के लिए कम से कम तीन महीने के आराम और रिहैब की जरुरतत होती है। चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में उनके तीन में से कम दो मैच खेलने का अनुमान था पर अब ये सब उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 जून से होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

लॉर्ड्स । आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 11 जून से इंग्लैंड के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच खिताब के लिए टक्कर होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में भारत को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। यह मुक़ाबला 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका फ़ाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी। उन्होंने वेस्टइंडीज, बांग्लादेश 2008 के बाद एशिया में पहली सीरीज़ जीत और श्रीलंका के ख़िलाफ़ सीरीज़ जीती, जबकि भारत के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ ड्रॉ रही और न्यूज़ीलैंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने कमज़ोर टीम के साथ दौरा किया था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में जगह बनाना दक्षिण अफ्रीका के लिए सपनों की तरह रहा, जो इस साल की शुरुआत में पुरुष और महिला टी20 वर्ल्ड कप में उपविजेता भी रहे थे। दक्षिण अफ़्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा ने पिछले हफ़्ते फ़ाइनल में क़ालिफ़ाई करने के बाद कहा, यह सभी के लिए एक बड़ी मेहनत का परिणाम है, और ऐसा लगता है कि पिछले 12 महीनों की कड़ी मेहनत रंग लाई है। अलग-अलग मौक़ों पर अलग-अलग खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने कहा, हमारे लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की बहुत अहमियत है। यह एक ऐसी ट्रॉफ़ी है, जिसे हम गर्व से देखते हैं। साथ ही इस ख़िताब की रक्षा करने के लिए हम बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन टूर्नामेंट है क्योंकि इसमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है और अलग-अलग हालातों में अलग-अलग टीमों के ख़िलाफ़ खेलना होता है। हम फ़ाइनल खेलने के लिए काफ़ी उत्साहित हैं।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप : वरुण ने एयर पिस्टल स्पर्धा में डबल्स खिताब जीता

नई दिल्ली । वरुण तोमर ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जा रहे 67वें राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (एनएससीसी) में सीनियर और जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में डबल्स खिताब जीता है। वरुण पिछले साल पेरिस ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाये थे। वरुण ने सीनियर फाइनल में धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने साथी प्रद्युम्न सिंह को हराकर पहला राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया है। वहीं राजस्थान के आकाश भारद्वाज ने कांस्य पदक अपने नाम किया। मौजूदा एशियाई चैंपियन और कई बार आईएसएसएफ पदक जीतने वाले वरुण की जूनियर फाइनल में भी धीमी शुरुआत रही पर उन्होंने जल्दी ही बढ़त बना ली। वरुण का सीनियर फाइनल में स्कोर 238 था, जबकि जूनियर फाइनल में उनका स्कोर 246.2 रहा। वहीं प्रद्युम्न ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में कांस्य पदक हासिल किया। युवा फाइनल में यूपी 1-2 से आगे रहा, जब चिराग शर्मा ने 24 शॉट के बाद 14 वर्षीय देव प्रताप को 1.3 के अंतर से हराया। चिराग ने 241.8 का स्कोर किया। वहीं राजस्थान के मयंक चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक जीता।

60 प्लस के पति-पत्नी ने रोशन किया देश का नाम, वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप में हासिल किया पहला स्थान

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी) । पंजाब के पठानकोट स्थित गुलशन शर्मा और उनकी पत्नी नीना शर्मा ने रूस की राजधानी मास्को में वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप की अलग-अलग कैटेगरी में पहला स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। 67 साल की उम्र में गुलशन और 62 की उम्र में नौना ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकन आईपीएल फेडरेशन ने मास्को स्टेडियम में 20, 21 और 22 दिसंबर को वर्ल्ड कप आईपीएल 2024 का आयोजन किया था जिसमें फिटनेश को समर्पित दुनियाभर से लोग पहुंचे या प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए भारत से 16 लोगों ने हिस्सा लिया था। इसके लिए अंबेसी में स्पांसरशिप के जरिए उन्हें वीजा मिला था और वे मास्को गए। गुलशन ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (65-69 ग्रुप और वेट क्लास 75 किलो) में पहला मेडल जीता है। वहीं नीना ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (60-64 ग्रुप और वेट क्लास 75.5 किलो) में पहला पुरस्कार जीता है। दोनों ने भारतीय झंडा फहराकर वर्ल्ड कप का पहला अवॉर्ड हासिल किया। 26 जनवरी को दोनों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पार्टियों में जाना छोड़ा, रनिंग और जिम कर रहे

गुलशन और नीना ने एक समाचार पत्र को बताया कि फिट रहने के लिए वह रनिंग, वेट लिफ्टिंग और एक्सरसाइज करते हैं। कोविड में जिम बंद होने के बाद भी कसरत नहीं छोड़ी और अपना जिम खोला लिया। कड़ाके की सर्दी में जिम के अंदर ही निर्धारित तापमान पर रनिंग और एक्सरसाइज करते हैं। रोज 6 बजे जिम पहुंच जाते हैं। तड़के उठने में बाधा आती थी तो कई साल से क्लबों और देर रात पार्टियों में हिस्सा लेना छोड़ दिया है। गुलशन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर देखना चाहते थे कि दुनिया में लोग किस उम्र तक फिटनेस पर जोर देते हैं। नीना कहती हैं कि मास्को में सर्दी बहुत थी, पर उन्होंने सभी को पीछे छोड़कर अवॉर्ड जीता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

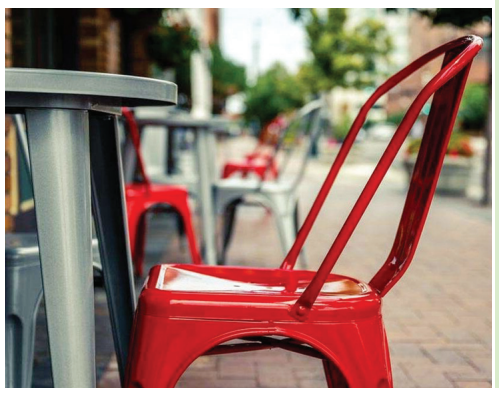

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं।(सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निकिता पर एफआईआर खारिज करने से कर्नाटक हाईकोर्ट का इंकार

बेंगलुरु। अतुल सुभाष आत्महत्या के मामले में कथित आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया द्वारा अपने खिलाफ लगे आरोपों को पलटने की याचिका पर सुनवाई करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने इस स्तर पर एफआईआर को खारिज करने से इंकार किया। एकल पीठ ने पाया कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य चल रही जांच का समर्थन करते हैं, और डेथ नोट और आत्महत्या वीडियो जैसे प्रमुख साक्ष्य एकत्र करने में प्रगति की कमी पर सवाल उठाया। अदालत ने निर्देश दिया कि जांच के दौरान एकत्र किए गए सभी दस्तावेज जमा किए जाएं और सरकार से अपनी आपत्तियां दर्ज करने को कहा। मामले को दो हफ्ते के लिए टाला गया है। निकिता, उनकी मां और भाई को बेंगलुरु की एक अदालत ने मामले में जमानत दे दी थी। आईटी पेशेवर अतुल से अलग रह रही पत्नी ने मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया। निकिता ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देकर दावा किया था कि यह अवैध है और इसमें औचित्य का अभाव है। उसके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपना बचाव तैयार करने की अनुमति देने के लिए अंतरिम जमानत के लिए तर्क दिया। 9 दिसंबर, 2024 को आत्महत्या करके मरने वाले सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

संभल के बाद फिरोजाबाद में मिला करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर, प्रशासन ने खुलवाया

फिरोजाबाद । संभल के बाद यूपी के कई शहरों में सालों से बंद मंदिर मिल रहे हैं। इनकी साफ-सफाई और अन्य व्यवस्था करने के बाद पूजा-पाठ शुरू किया जा रहा है। फिरोजाबाद के मुस्लिम बहुल इलाके में भी करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर मिला है, जिसका ताला प्रशासन ने खोला। हिंदूवादी संगठन बजरंग दल की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फिरोजाबाद के शहीद चौक के सामने बेहद तंग गली में मुस्लिम बहुल इलाका है, जहां गली के कोने पर एक मंदिर में सालों से ताला पड़ा हुआ था। बजरंग दल को जब इसकी जानकारी मिली कि यह शिव मंदिर काफी समय से बंद है, तब भारी फोर्स की तैनाती के बाद जिला प्रशासन ने मंदिर का ताला खुलवाया। हालांकि इस मंदिर का ताला खुलने का विरोध किसी ने नहीं किया। कई दशक पहले यहां हिंदू परिवार का घर था, उसमें ही गली के बाहर ये मंदिर था। वह परिवार गली को छोड़कर चला गया और मंदिर में ताला लगा हुआ है। मंदिर के अंदर की दीवारों पर धार्मिक शब्द लिखे हुए हैं और यहां खंडित मूर्तियां रखी हुई हैं। फिरोजाबाद के सिटी मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण संवत 2020 (साल 1963) में हुआ था और लंबे समय से बंद पड़ा था। करीब 60 साल पुराना मंदिर है। मंदिर के खुलने से स्थानीय समुदाय को उनके धार्मिक अधिकार वापस मिले हैं। वहां का मुस्लिम समुदाय ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि मंदिर खोलने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और यहां कोई विवाद नहीं है।

तमिलनाडु विधानसभा में संविधान और राष्ट्रगान का अपमान, नाराज राज्यपाल सदन से बाहर आए

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल आर.एन रवि राष्ट्रगान और संविधान का तिरस्कार करने पर आपत्ति दर्ज कर बाहर चले गए। इस बारे में राज्यपाल कार्यालय ने पोस्ट में जानकारी दी। राज्यपाल के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा गया कि तमिलनाडु विधानसभा में आज एक बार फिर संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया। विधानसभा में राज्यपाल के आने पर केवल तमिल थाई वाज्थु गाया गया, जबकि संविधान में राष्ट्रगान का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य दहै।राज्यपाल ने इस पर आपत्ति जताकर सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से राष्ट्रगान गाने का अनुरोध किया। लेकिन, उनके आग्रह को नजरअंदाज कर राज्य सरकार ने राष्ट्रगान गाने से इंकार कर दिया। इस अपमानजनक घटना के कारण राज्यपाल ने गहरी नाराजगी जताकर सदन को छोड़ दिया। वहीं राज्यपाल के विधानसभा भवन के बाहर जाने के बाद अन्ना विश्वविद्यालय के मामले को लेकर एआईएडीएमके के सदस्यों ने हाथों में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टर में लिखा हुआ था कि आखिर मामले में आरोपी कौन है? भाजपा विधायकों का कहना है कि अन्ना विश्वविद्यालय मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, इसलिए वे विधानसभा से बाहर चले गए। कांग्रेस के विधायक मामले में अपना रोष प्रकट करने के लिए हाथों में बैज पहनकर आए थे। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु विधानसभा में राष्ट्रगान के बजाय राज्यगीत गाने के मामले सामने आ रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, सलमान से करीब होना बनी हत्या की वजह

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) कोर्ट में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में सिद्दीकी के मर्डर केस मामले में 26 आरोपियों को नामजद किया है। इसके अलावा इसमें तीन आरोपियों जीशान अख्तर, शुभम लोनकर, अनमोल बिश्नोई को फरार बताया गया है। चार्जशीट में कई लोगों के बयान भी पुलिस ने दर्ज किए हैं। क्राइम ब्रांच की जांच के मुताबिक, सिद्दीकी हत्या के तीन प्रमुख कारण हैं। पहला सलमान खान से करीबी, अनुज थपन की आत्महत्या का बदला या बिश्नोई गैंग का मुंबई में वर्चस्व स्थापित करना और अपना खौफ पैदा करना। क्राइम ब्रांच हत्या की इन तीन वजहों को स्थापित करने के लिए आरोपी लोनकर की सोशल मीडिया की पोस्ट को भी आधार बनाया है। चार्जशीट में 210 लोगों के बयान भी दर्ज हैं।

लोगों ने समस्याएं बताईं तो भड़के अजित पवार बोले- मुझे खेतिहार मजदूर समझ रहे हैं क्या?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार आजकल काफी गुस्से में नजर आने लगे हैं। सियासी समस्याएं जो भी हों पर जनता अपनी समस्याएं तो बताएगी ही। बारामती के दौरे पर पहुंचे अजित पवार एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह अपना आपा खो बैठे। दौरे के दौरान नागरिकों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कुछ नागरिकों ने विकास कार्यों में देरी को लेकर शिकायत की, जिस पर अजित पवार भड़क गए। उन्होंने कहा, आपने मुझे वोट दिया है, इसका मतलब यह नहीं कि आप मेरे मालिक बन गए। क्या आपने मुझे खेतिहर मजदूर बना दिया है?

उनके इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है।

इस मौके पर अजित पवार ने एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बारामती में किसी भी भूखंड का दर्जा आवासीय से व्यावसायिक में उनकी अनुमति के बिना न बदला जाए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भूखंडों को व्यावसायिक बनाया ताकि उद्योग स्थापित हों और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। लेकिन एमआईडीसी अधिकारी भूखंडों का दर्जा बदलने की होड़ में न लगें। मेरी जानकारी के बिना एक भी भूखंड का दर्जा नहीं बदला जाएगा।

अजित पवार ने बारामती तालुका क्रय-विक्रय संघ परिसर में एक पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। इस दौरान मौजूद नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने लंबित कामों को लेकर सवाल उठाए। एक कार्यकर्ता ने कहा कि क्षेत्र में कई विकास कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं। इसे लेकर नागरिकों ने पवार से जवाब मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ने पहले अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्य जल्द शुरू किए जाएं। लेकिन नागरिकों की बढ़ती शिकायतों पर वह नाराज हो गए और तीखी प्रतिक्रिया दी।

डिप्टी सीएम की नाराजगी पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ इसे जनप्रतिनिधि का अहंकार मान रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि मतदाताओं को भी अपना व्यवहार संतुलित रखना चाहिए।

अजित पवार के बयान ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे को धमकी देने वाले पर एफआईआर दर्ज, तलाश जारी

ठाणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि उसे आरोपी के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ इंस्पेक्टर गुलजारीलाल फड़तारे ने बताया कि ठाणे शहर के वरली पाड़ा निवासी हितेश धेंदे नाम से आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। गलत पोस्ट करने पर यह मामला दर्ज हुआ है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को कई धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मुंबई में ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली 2 कारें, पुलिस अलर्ट

मुंबई। मुंबई के ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां खड़ी होने से हड़कंप मचा है। मूल वाहन चालक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस थाना ले गई और एफआईआर दर्ज की। इनमें से किस कार पर फर्जी नंबर प्लेट है? इसके पीछे उसका उद्देश्य क्या है? इन सभी सवालों का पता लगाया जा रहा है। दो गाड़ियों पर नंबर एमएच-01-ईई-2388 लगा है, नंबर प्लेट पीली है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक ही नंबर प्लेट वाली दोनों गाड़ियां सोमवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई के ताज होटल के सामने खड़ी थी। इसके बाद असली नंबर के ड्राइवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले पर संज्ञान लेते हुए दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ताज होटल के सामने दूसरी कार की पहचान कर गहनता से जांच कर रही है। ज्ञात हो कि 26/11 के आतंकवादी हमले के दौरान ताज होटल को निशाना बनाया गया था। इसलिए इस इलाके में हमेशा पुलिस बल तैनात रहता है। मुंबई पुलिस के पास सुरक्षा के साथ-साथ ताज होटल की अपनी सुरक्षा भी है। हालांकि, दोपहर के करीब एक ही समय पर एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां आ गईं, जिससे हड़कंप मच गया। इन दोनों कारों का नंबर एमएच-01-ईई-2388 है और दोनों चार पहिया वाहनों का रंग भी सफेद है। जांच के समय पता चला कि दोनों कारों की नंबर प्लेट एक जैसी थी। इससे साफ है कि दोनों कारों में से एक की नंबर प्लेट फर्जी है। कोलाबा पुलिस ने दोनों कारों के ड्राइवरों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। आखिर फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल क्यों किया गया, इसके पीछे क्या मकसद था? ऐसे कई सवालों के जवाब पुलिस तलाश रही है।

विरोधियों को गिरिराज सिंह की दो टूक, जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा

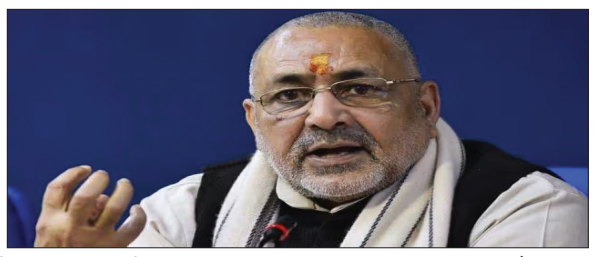

`* महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का किया था दावा

पटना (एजेंसी)। महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का दावा करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी मुसलमान देश के अंदर माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने नाराज होते हुए कहा जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुछ लोग देश में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस ने उन्हें ऐसा करने को कहा था, क्या कांग्रेस माहौल बिगाड़ रही है कि भारत में बांग्लादेश वाली स्थिति पैदा की जाए, जिस समय इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी तब से कुंभ मेला का आयोजन हो रहा है। इसतरह के बयान देकर बेवजह हिंदुओं को उकसाना, हिंदुओं से झगड़ा करने का माहौल तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुंभ मेला पर इस तरह का बयान देना कहीं से सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि इस बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, लालू यादव, अखिलेश यादव की जुबान बंद क्यों है? सबकी मुंह में बर्फ क्यों जम गया?

इसके पहले ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि कुंभा का मेला जहां लग रहा हैं वहां जमीन वक्फ की है। मुसलमान बड़े दिल वाले हैं, अखाड़ा परिषद उनके प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि प्रयागराज के निवासी ने दावा किया है कि कुंभ के मेले की जहां तैयारियां हो रही हैं, वहां जमीन वक्फ की संपत्ति है। ये जमीन करीब 54 बीघा है। मुसलमानों ने बड़ा दिल दिखाकर कोई आपत्ति नहीं की है। कुंभ मेले के सारे इंतजाम इसी वक्फ की जमीन पर हो रहे हैं। मगर, दूसरी तरफ अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोग मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं।

दिल्ली से बांग्लादेशी होंगे बाहर, दस्तावेजों की हो रही जांच, हजारों की हुई पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जा रही है। उनके दस्तावेजों की जांच हो रही है। प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को कहना है कि फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार किए गए हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं। 16 हजार लोगों की सूची तैयार की गई है। दिल्ली के सभी 15 जिलों की झुग्गियों में वर्षों से अपना ठिकाना बनाकर अवैध रूप से रहने वाले लाखों बांग्लादेशी नागरिकों को वापस अपने देश लौटना होगा। गृह मंत्रालय व उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने इनकी पहचान कर वापस बांग्लादेश भेजने की कवायद तेज कर दी है।

एक माह के दौरान 15 जिले की पुलिस ने 16,000 संदिग्ध बांग्लादेशियों की सूची तैयार की है। इनसे चरणबद्ध तरीके से पूछताछ व उनके दस्तावेज की जांच की जा रही हैं। इनमें 750 संदिग्धों के बारे में पुलिस को पूरा शक है कि ये बांग्लादेशी हो सकते हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं।इनमें कुछ के पास नए व कुछ के पास वर्षों पुराने दस्तावेज पाए गए। इन 750 संदिग्धों के आधार कार्ड के बारे में दिल्ली पुलिस ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से जानकारी मांगी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से यह बताने को कहा गया है कि आधार कार्ड बनवाने के लिए इन्होंने क्या दस्तावेज जमा किए थे। अवैध रूप से आधार कार्ड व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने वाले संदिग्ध बांग्लादेशियों के सभी दस्तावेज जब्त कर पुलिस संबंधित विभागों के सहयोग से जुटी हुई है। फर्जी तरीके से आधार व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने की पुष्टि होते ही उनके उक्त दस्तावेज रद कर दिए जाएंगे और उन्हें पकड़ कर वापस बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

75 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा भी संबंधित लोगों को जवाब तलब किया जाएगा। दिल्ली पुलिस मुख्यालय सूत्रों के मुताबिक एक माह के दौरान अब तक 75 बांग्लादेशियों को वापस बांग्लादेश भेज दिए गए हैं। इनकी सूची विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को भी भेज दी गई है। सबसे अधिक बांग्लादेशी दक्षिण, दक्षिण-पूर्वी व दक्षिण-पश्चिम जिले में पकड़े गए हैं।इन तीन जिले में बड़ी संख्या में झुग्गी बस्ती हैं, जिनमें लाखों की संख्या में बांग्लादेशी रहते हैं। इनमें अधिकतर भारतीय दस्तावेज बनवा रखे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अब बांग्लादेश से टूरिस्ट व बिजनेस वीजा पर दिल्ली आने वाले बांग्लादेशियों के बारे में भी पता लगा उनके बारे में जांच शुरू कर दी गई हैं।

फर्जी दस्तावेज बनवाने वाला गिरोह सक्रिय

दक्षिण जिला पुलिस ने हाल ही में दो ऐसे गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है जो बांग्लादेशी नागरिकों के आधार कार्ड बनवा रहे थे। गिरोह के तार बांग्लादेशी एजेंटों से भी जुड़े थे जो बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पार कराने, ट्रांसपोर्टेशन के लिए तत्काल फर्जी भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने, दिल्ली लाने व यहां उन्हें जगह मुहैया करवाने के बाद उनके असली आधार कार्ड बनवा रहे थे।

पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर प्रदेश में बढ़ा सर्दी का असर, लोग ठंड से बचने के लिए ले रहे आग का सहारा, प्रयागराज में अलाव व्यवस्था की मांग

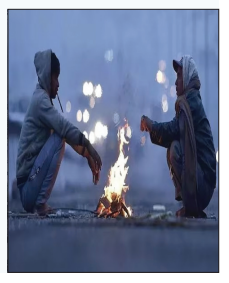

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मौसम में बड़ी ठंडक छाई हुई है। नवाबादा, प्रयागराज, लखनऊ जैसे स्थानों में लोगों को थंड से बचाव के लिए आग का सहारा लेना पड़ रहा है। चौंकाने वाली बात है कि यहां की सर्दी लगभग लेह, लद्दाख जैसी ठंडी जगहों के स्तर को पहुंच गई है। सर्दी का मौसम अभी और भी खतरनाक होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी ठंड का सितम जारी रहेगा। अब तक तबाही मचाने वाली सर्द ने प्रदेशवासियों की नींद उड़ा दी है और दिन-रात की जिंदगी में बड़ी खलल डाल रही है। प्रयागराज में लोगों को सूर्य के दर्शन नाम मात्र ही हो रहे हैं, जबकि घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है। आम नागरिक लकड़ी जलाने से ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। नगर निगम की ओर से अलाव की व्यवस्था हो रही है, लेकिन कुछ अविकसित क्षेत्रों में लोगों को सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर एक नागरिक ने अपील की है कि सभी जगह अलाव की व्यवस्था की जाए ताकि सर्दी से बचने के लिए लोगों को आग का सहारा मिल सके। इसी संदर्भ में एक और व्यक्ति ने बताया कि सर्दी का मौसम बढ़ रहा है और अविकसित क्षेत्रों में लकड़ी की कमी ने लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां लोग प्रकार-प्रकार की लकड़ी जला कर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। भविष्य में भी सर्दी की स्थिति और गंभीर होने की संभावना है और इससे बचने के लिए अलाव की व्यवस्था की जानी चाहिए।

इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की उठी मांग, पीएम मोदी को लिखा गया पत्र

`* अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित पत्र में सिद्दीकी ने बताया कि यह बदलाव भारत के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा कि प्रतिष्ठित संरचना का नाम बदलकर भारत माता द्वार रखना राष्ट्र की भावना को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वालों के बलिदान का सम्मान करेगा।

दरअसल कर्तव्य पथ के पास स्थित इंडिया गेट, भारतीय सेना के करीब 75,000 सैनिकों के बलिदान का सम्मान करते हुए एक गंभीर युद्ध स्मारक के रूप में खड़ा है। इन सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध (1914-1921) के दौरान फ्रांस, फ्लैंडर्स, मेसोपोटामिया, फारस, पूर्वी अफ्रीका, गैलीपोली और निकट और सुदूर पूर्व के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ तीसरे एंग्लो के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया। सर एडविन लुटियंस द्वारा डिजाइन किया गया, इंडिया गेट की स्थापत्य शैली रोम में कॉन्सटेंटाइन के आर्क जैसे प्राचीन रोमन विजयी मेहराबों से प्रेरणा लेती है।

इंडिया गेट की तुलना पेरिस में आर्क डी ट्रायम्फ और मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं से भी की जाती है। भारत के सबसे बड़े युद्ध स्मारकों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, इंडिया गेट राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। गणतंत्र दिवस पर, प्रधानमंत्री अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्मारक पर जाते हैं, जिसके बाद गणतंत्र दिवस परेड शुरू होती है, जो इसे भारत की औपचारिक परंपराओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है। पिछले साल जुलाई में, राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया गया था।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री राव ने कहा, एचएमपीवी मामले देश के पहले केस नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में तीन और आठ महीने की उम्र के दो शिशुओं में मिले ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो मामले भारत में पहले नहीं हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा,हम इन मामलों को देश का पहला मामला नहीं कह सकते। यह वायरस देश में पहले से ही मौजूद है। हो सकता है कि व्यक्ति का इस विशिष्ट वायरस के लिए परीक्षण किया गया हो और इसका पता चला हो। कर्नाटक सरकार में मंत्री राव ने बताया, यह साबित नहीं हुआ है कि बेंगलुरु में पाया गया मामला भारत का पहला मामला है। यह दावा सच नहीं है। यह एक मौजूदा वायरस है और एक निश्चित प्रतिशत लोग इससे प्रभावित हैं। यह कोई नई बात नहीं है।

वहीं मंत्री राव ने स्पष्ट किया कि वायरस से संक्रमित बच्चे का कोई विदेशी यात्रा इतिहास नहीं है और वह स्थानीय परिवार से हैं। राव ने कहा, उनमें से किसी ने भी चीन, मलेशिया या किसी अन्य देश की यात्रा नहीं की है। चीन में प्रकोप एचएमपीवी के एक नए प्रकार से जुड़ा हुआ है। हमारे पास अभी तक पूरी जानकारी नहीं है, और सरकार अभी भी जानकारी जुटा रही है। उन्होंने कहा, यह एचएमपीवी का एक नया वेरिएंट हो सकता है। हालांकि, एचएमपीवी एक ऐसा वायरस है जो भारत में पहले से ही लंबे समय से मौजूद है। यह सर्दी, फ्लू और खांसी जैसे सामान्य लक्षण पैदा करता है, जो आमतौर पर कुछ समय बाद कम हो जाते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें मामले को पहला केस कहना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा है कि वह बिल्कुल भी न घबराएं। यह एक मौजूदा वायरस है जो आता है और चला जाता है। चीन में स्थिति अलग है और इस पर सरकार बारीकी से नजर रखे हुए है। इस दौरान मंत्री ने कुछ नई जानकारी जुटाने और अगले कदमों पर निर्णय लेने के लिए आपातकालीन बैठक आयोजित करने की जानकारी दी। राव ने कहा, समय से पहले निर्णय नहीं लिया जा सकता है। पीसीआर जांच हमेशा से उपलब्ध रही है, लेकिन हमें यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या यह आवश्यक है। हमें यह आकलन करना चाहिए कि क्या यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है। सिर्फ इसलिए कि एक मामला पाया गया है, हम पैनिक मोड में नहीं जा सकते। यदि हम सर्दी के लक्षणों वाले सभी लोगों की जांच करते हैं, तो कोई न कोई वायरस मिलने की संभावना है।

किसान नेता डल्लेवाल के शरीर पर मांस नहीं बचा, क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

`* खनौरी बॉर्डर पर बढ़ती जा रही आंदोलनकारियों की संख्या

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर 42 दिनों से अनशन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक होती जा रही है। किसान नेता डल्लेवाल लगातार उल्टियां कर रहे हैं। डॉक्टरों की ओर से बताया गया कि उनके शरीर पर अब मांस नहीं बचा है। लीवर, किडनी और फेफड़ों में खराबी आ गई है। अब हालत यह है कि अगर डल्लेवाल का अनशन खत्म कर देते हैं, तब भी रिकवरी मुश्किल है। हालांकि केंद्र की ओर से अभी तक अनशन खत्म कराने की कोई सुगबुगाहट नहीं दिख रही है। अब सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

लोकतंत्र में आमरण अनशन विरोध का सबसे अहिंसक तरीका है। किसान नेता डल्लेवाल भी एमएसपी को लेकर कानून बनाने की मांग पर अड़े हैं। वे पिछले 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ने आंदोलनकारी किसान से बातचीत करने की पेशकश की, इस मांग को किसान नेताओं ने खारिज कर दिया। डल्लेवाल का स्वास्थ्य हर दिन खराब हो रहा है। 70 साल के किसान नेता कैंसर के मरीज हैं और दवाइयां भी नहीं ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद पंजाब सरकार ने धरनास्थल पर मेडिकल टीम, एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम और एंबुलेंस को तैनात किया, मगर डल्लेवाल ने मेडिकल सपोर्ट लेने से मना कर दिया है। उनकी हालत गंभीर होती दिख रही है।

वहीं खनौरी बॉर्डर पर आंदोलनकारियों की भीड़ बढ़ती जा रही है, मगर केंद्र हालात को नजर अंदाज कर रही है। हर मंगलवार को किसानों से मिलने वाले कृषि मंत्री ने बयान दिया था कि मामले को सुप्रीम कोर्ट देख रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा। यह रवैया मोदी सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है, क्योंकि आंदोलनकारियों के बीच मीडिया में छपी कई कहानियां तैरने लगी हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 2020 के आंदोलन के दौरान किसान संगठनों ने 11 दौर की बातचीत के बाद अड़ियल रवैया अपनाया था और वार्ता फेल हो गई। 8 दिसंबर 2020 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बातचीत करने पूसा पहुंचे थे, मगर किसानों ने बातचीत से इंकार किया था। किसानों के इस रुख से मोदी सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। चार साल पुराने अनुभव के कारण केंद्र सरकार सीधे तौर से बातचीत की पहल नहीं कर रही है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा गया कि केंद्र सरकार बयान क्यों नहीं दे रही है कि वह वास्तविक मांगों पर विचार करेगी और हम किसानों से चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके जवाब में मेहता ने बताया था कि शायद कोर्ट को इससे जुड़े फैक्टर्स की जानकारी नहीं है। केंद्र हर किसान को लेकर चिंतित है। किसान संगठनों का कहना है कि 2020 के किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार ने एमएसपी की कानूनी गारंटी, लोन माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने जैसी मांगों पर विचार करने का लिखित आश्वासन दिया था। दल्लेवाल भी वादे को लागू करने की मांग कर रहे हैं, मगर कोई केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत नहीं करना चाहती है।

दल्लेवाल का आमरण अनशन विख्यात पर्यावरणविद स्वामी ज्ञान स्वरूप सानंद उर्फ प्रोफेसर जीडी अग्रवाल की याद दिला रहा है। जी डी अग्रवाल ने भी गंगा की सफाई को लेकर 112 दिनों तक आमरण अनशन करते हुए प्राण त्यागे थे। उन्होंने गंगा में गिरते प्रदूषित नालों और पवित्र नदी की सफाई के नाम पर खर्च हुए अरबों रुपये पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने भी अनशन से पहले प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी थी, मगर जवाब नहीं मिला। 2018 में जी डी अग्रवाल ने एम्स ऋषिकेश में अंतिम सांस ली और उनके साथ ही एक बड़ा आंदोलन खत्म हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इक्वाडोर ने सात राज्यों में की आपातकाल की घोषणा

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने बढ़ती आंतरिक अशांति और सशस्त्र संघर्ष के बीच देश के सात राज्यों और तीन नगर पालिकाओं में 60 दिनों के आपातकाल की घोषणा की है। यह आपातकाल गुआयास, लॉस रियोस, मनाबी, सांता एलेना, एल ओरो, ओरेलाना और सुकुम्बियोस प्रांतों के साथ-साथ क्विटो, ला ट्रोनकल और कैमिलो पोंस एनरिकेज़ के मेट्रोपॉलिटन जिले में लागू होगा। राष्ट्रपति नोबोआ ने बढ़ते अपराध और संगठित अपराध समूहों की बढ़ती गतिविधियों को आपातकाल का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य हिंसा को रोकना और सार्वजनिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए सैन्य और पुलिस बलों का समर्थन करना है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आपातकाल के तहत प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों के घरों और पत्राचार की अखंडता को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, लगभग 20 जगहों पर रात का कर्फ़्यू भी लगाया गया। इक्वाडोर की सरकार जनवरी 2024 से आतंकवादी घोषित किए गए संगठित अपराध समूहों के खिलाफ आंतरिक सशस्त्र संघर्ष में लगी हुई है। पिछले महीने, देश में दो सशस्त्र हमलों में नौ लोग मारे गए थे। पुलिस ने 6 दिसंबर को मनाबी प्रांत में छह युवकों के शव बरामद किए थे, जिनकी हत्या की गई थी। इसके अलावा, मनाबी के सुक्रे कैंटन में एक ही परिवार के तीन सदस्य भी मारे गए थे। मादक पदार्थों की तस्करी के लिए कुख्यात मनाबी प्रांत में 2024 में हिंसा में तेजी आई थी। इसका जवाब देने के लिए, सरकार ने आपराधिक समूहों के खिलाफ पुलिस और सेना को तैनात किया है। राष्ट्रपति नोबोआ ने जनवरी में 22 आपराधिक गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी, जिन्हें आतंकवादी करार दिया गया था। पुलिस ने कहा कि इक्वाडोर के प्रशांत तट पर मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख क्षेत्र मनाबी में 2024 में हिंसा में वृद्धि देखी गई, इसमें संगठित अपराध से जुड़ी कई घटनाएं शामिल हैं।

इजरायल ने गाजा पर तेज किए हवाई हमले, तीन दिन में मारे गए 184 लोग

गाजा, एजेंसी। गाजा में पिछले तीन दिनों से जारी इजरायल के हवाई हमले में कम से कम 184 लोग मारे गए हैं। हमास के गाजा स्थित मीडिया कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने पिछले 72 घंटों में गाजा पट्टी पर 94 हवाई हमले किए, जिसमें 184 लोगों की मौत हुई है। कार्यालय ने शनिवार को अपने बयान में इन हमलों को खतरनाक और क्रूर बताया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल के हवाई हमले में कई पीड़ित या तो मारे गए या घायल हो गए हैं। इसके अलावा कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक रक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पिछले तीन दिनों में इजरायली हवाई हमले तेज हुए हैं, जो स्थानीय निवासियों के लिए मुश्किल समय है। बयान में कहा गया है कि इजरायली सेना इन भयावह अपराधों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है और उन्होंने हथियार और राजनीतिक समर्थन देने के लिए अमेरिकी प्रशासन की भी आलोचना की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इन जघन्य अपराधों को दर्ज करने के लिए स्वतंत्र जांच टीमों को भेजने का आह्वान किया है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज़ ने बंधकों की रिहाई को लेकर हमास को कड़ी चेतावनी दी थी, जिसके बाद इजरायल ने गुरुवार से गाजा में अपने सैन्य अभियान को तेज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कतर, मिस्र और अमेरिका द्वारा मध्यस्थता की गई वार्ता प्रमुख मुद्दों पर रुकी हुई है, जिसमें संघर्ष विराम जारी रखना भी शामिल है।

इंग्लैंड के अस्पतालों में तेजी से बढ़ रहे फ्लू के मामले, एनएचएस ने जारी की चेतावनी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के अस्पतालों में फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि फ्लू से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या एक महीने पहले के मुकाबले चार गुना अधिक हो गई है। इसे देखते हुए नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) ने फ्लू का टीका लगवाने की चेतावनी जारी की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह के अंत में अस्पतालों में फ्लू से पीड़ित 5,000 मरीजों का इलाज चल रहा था, जो कि 2023 में इसी समय की तुलना में लगभग 3.5 गुना ज्यादा है। हालांकि, यह 2022 के मुकाबले उतना ज्यादा नहीं है। रॉयल कॉलेज ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के प्रमुख ने बताया कि अस्पतालों पर दबाव अस्वीकार्य रूप से भयानक है, और फ्लू उन्हें टूटने के कगार पर पहुंचा रहा है। यह चेतावनी इस सप्ताह के अंत में होने वाले ठंडे मौसम के कारण कमजोर रोगियों और स्वास्थ्य प्रणाली पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर दी गई है।

माइक जॉनसन बने यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के स्पीकर

100 साल में सबसे कम बहुमत से जीता स्पीकर का चुनाव, ट्रम्प ने दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में शुक्रवार को रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक स्पीकर बनने के लिए 218 जरूरी होते हैं। जॉनसन को इतने ही वोट मिले। सीएनएन के मुताबिक पिछले 100 साल में किसी भी स्पीकर को मिला यह सबसे कम बहुमत है।

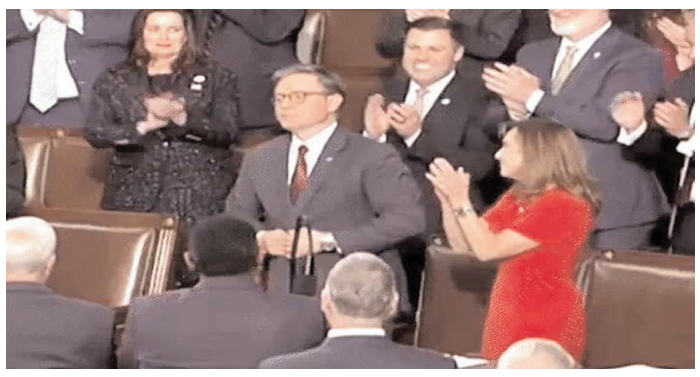

जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वोटिंग की शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर उन्हें 2 रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जीत के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने जॉनसन को बधाई दी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा- कांग्रेस में बहुमत हासिल करने के लिए स्पीकर माइक जॉनसन को बधाई। माइक एक ग्रेट स्पीकर होंगे, जिससे हमारे देश को बहुत फायदा होगा। अमेरिकी लोगों ने 4 साल तक इस कॉमन सेंस, पावर और लीडरशिप का इंतजार किया है।

जॉनसन का रिपब्लिकन पार्टी में ही हुआ विरोध : अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी 220 सीटों के साथ बहुमत में है। हालांकि शुक्रवार को जब स्पीकर पद के लिए वोटिंग शुरू हुई तो रिपब्लिकन्स का बहुमत 219 पर आ गया था, क्योंकि फ्लोरिडा के पूर्व रिपब्लिकन सांसद मैट गेट्ज़ ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में न लौटने का फैसला किया। स्पीकर चुनाव में बहुमत हासिल करने के लिए किसी भी उम्मीदवार को 218 वोट हासिल करना जरूरी था। लेकिन 3 रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी, राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ ने जॉनसन की जगह अन्य उम्मीदवार को वोट देना का ऐलान किया था। केंटकी से सांसद थॉमस मैसी ने तो यहां तक कह दिया था कि आप मेरे सभी नाखून उखाड़ सकते हैं। आप मेरी उंगलियां काटना शुरू कर सकते हैं। लेकिन मैं माइक जॉनसन को वोट नहीं दे रहा हूं।

जॉनसन के खिलाफ क्यों थी नाराजगी : माइक जॉनसन ने दिसंबर में गवर्नमेंट शटडाउन रोकने के लिए अस्थाई फंडिंग बिल पेश किया था। शुरुआत में इस बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों को समर्थन हासिल था। लेकिन बाद में ट्रम्प ने मांग की थी कि 20 जनवरी को उनके शपथ ग्रहण से पहले इस बिल में अमेरिका के कर्ज लेने की लिमिट हटा दी जाए या पूरी तरह समाप्त कर दी जाए। हालांकि ट्रम्प की मांग के पूरा किए बिना ही यह बिल पास हो गया था। इसे लेकर रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों में जॉनसन को लेकर नाराजगी थी। थॉमस मैसी का कहना था कि जॉनसन स्पीकर पद के लिए योग्य नहीं हैं। पार्टी को एक ऐसे स्पीकर की जरूरत है जो मीडिया को बेहतर तरीके से मैनेज कर सके और पार्टी के मामलों को बेहतर तरीके से लोगों के सामने रख सके।

45 मिनट की लॉबिंग के बाद मिला दो सांसदों का सपोर्ट : माइक जॉनसन ने बाद में राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ से मिलकर उन्हें अपने पक्ष में वोट देने के लिए मनाया। आखिर में 45 मिनट की लॉबिंग के बाद दोनों सांसदों ने जॉनसन के पक्ष में वोट दिया। इस तरह माइक जॉनसन को काफी कम अंतर से स्पीकर चुन लिया गया। इस राजनीतिक रस्साकस्सी के बीच जॉनसन ने दो बार डोनाल्ड ट्रम्प से भी फोन पर बात की।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला का निधन: जापान की तोमिको ने 116 साल की उम्र में अंतिम सांस ली

टोक्यो, एजेंसी। दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान तोमिको इतूका का 116 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनकी मौत 29 दिसंबर को ह्योगो प्रांत के एक नर्सिंग होम में हुई। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को उनकी मौत की पुष्टि की। इतूका का जन्म 23 मई, 1908 को पश्चिमी जापान के आशिया शहर में हुआ था। वह 3 भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। इतूका की शादी 20 साल की उम्र में हुई थी। उनके 4 बच्चे और 5 पोते-पोतियां हैं। इतूका के पति का निधन साल 1979 में हुआ था। इतूका की मौत की वजह अत्यधिक उम्र का होना बताया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने सितंबर 2024 में इतूका को दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान के रूप में मान्यता दी थी। दरअसल, पिछले साल अगस्त में स्पेन की मारिया ब्रान्यास का 117 साल की उम्र में निधन हो गया था। इतूका के निधन पर आशिया की मेयर रयोसुके ताकाशिमा (27) ने कहा - इतूका ने अपने जीवनकाल में विश्व युद्ध और महामारी के साथ-साथ बदलती टेक्नोलॉजी को भी देखा। उनके लंबे जीवन से हमें उम्मीद और हिम्मत मिली। 80 साल की उम्र में भी पहाड़ों पर चढ़ती थी इतूका के परिवार ने पिछले साल एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें लंबी-लंबी हाइकिंग करना पसंद था। यही उनकी लंबी उम्र का राज था। वो 80 साल की उम्र में भी पहाड़ों पर मौजूद मंदिर में जाती थीं। 100 साल की उम्र में भी उन्हें चलने के लिए किसी छड़ी की जरूरत नहीं पड़ती थी। बचपन में वो वॉलीबॉल की अच्छी प्लेयर थी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार इतूका ने 100 साल की उम्र के बाद भी अपनी हॉबी जिंदा रखी। उन्होंने 70 साल की उम्र के बाद भी माउंट ओंटेक पहाड़ पर दो बार चढ़ाई की। इसकी ऊंचाई 3,067 मीटर (10,062 फीट) है।

अब ब्राजील की कैनाबारो बनीं सबसे ज्यादा उम्र की इंसान : इतूका की मौत के बाद अब दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान इनाह कैनाबारो लुकास बन चुकी हैं। ब्राजील की कैनाबारो की उम्र 116 साल है। उनका जन्म इतूका के जन्म के 16 दिन बाद हुआ था। दुनिया के सबसे अधिक उम्र की महिला फ्रांस की लूजी कालमेंट रह चुकीं हैं। जिन्होंने 122 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। लूजा का निधन अगस्त 1997 में हुआ था। सितंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक जापान में 95 हजार से ज्यादा ऐसे लोग हैं।

यूनुस सरकार का बड़ा फैसला, अवामी लीग के शासनकाल में हुए आम चुनावों की जांच करेगा चुनाव आयोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने पिछले सभी चुनावों में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों की जांच कराने का फैसला किया है। इसमें 2014, 2018 और 2024 में अवामी लीग के शासन के दौरान विवादास्पद रहे तीन पिछले चुनाव भी शामिल हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार ने अपनी खबर में बताया कि एक बैठक के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ए.एम.एम. नसीरूद्दीन ने सभी दस क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों को चुनाव प्रणाली में गिरावट की जांच करने और विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। सीईसी ने लिखित निर्देश जारी कर क्षेत्रीय अधिकारियों से पिछली अनुमितताओं और गड़बड़ियों की पहचान करने और उनके परिणामों की रिपोर्ट चुनाव आयोग के सचिवालय को सौंपने को कहा। 2014, 2018 और 2024 के आम चुनावों इतिहास में सबसे विवादास्पद माना जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगी दलों ने 2014 के चुनाव का बहिष्कार किया था, जिसके कारण एकतरफा मतदान हुआ और 153 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे, जो देश के चुनावी इतिहास एक अभूतपूर्व घटना थी। इसी तरह 2018 चुनाव में धांधली के आरोप लगे, जिसमें बीएनपी और उसके सहयोगियों ने केवल सात सीटें जीतीं।

217 डिजाइनर बैग, 75 लग्जरी घड़ियां: थाईलैंड की सबसे युवा पीएम शिनावात्रा के पास लगभग 400 मिलियन डॉलर की संपत्ति है

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने शुक्रवार को अपनी संपत्ति की घोषणा की। उनकी 400 मिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति में 217 डिजाइनर हैंडबैग, 75 लग्जरी घड़ियां शामिल हैं। उनकी राजनीतिक पार्टी ने यह जानकारी राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एनएसीसी) को दी है। गौरतलब है कि शिनावात्रा थाईलैंड की अब तक की सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पैटोंगटार्न की कुल संपत्ति 13.8 बिलियन बहत (लगभग 400 मिलियन डॉलर) है। इसमें 11 बिलियन बहत के निवेश और एक बिलियन बहत नकद और जमा शामिल हैं। उनकी संपत्ति में 162 मिलियन बहत की कीमत की 75 घड़ियां, 39 अन्य टाइमपीस और 76 मिलियन बहत की कीमत के 217 हैंडबैग शामिल हैं। इसके अलावा, उनके पास लंदन और जापान में भी संपत्ति है। स्थानीय मीडिया द्वारा साझा किए गए एनएसीसी के दस्तावेज के अनुसार, पैटोंगटार्न ने लगभग 5 बिलियन बहत की देनदारियों की जानकारी दी है, जिसके बाद उनकी कुल संपत्ति 8.9 बिलियन बहत (258 मिलियन डॉलर) रह गई है।

कौन हैं पैटोंगटार्न शिनावात्रा : पैटोंगटार्न थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं। इंग उपनाम से जानी जाने वाली पैटोंगटार्न ने थाईलैंड के प्रतिष्ठित चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान और ब्रिटेन से होटल मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री की। 17 साल की उम्र में वह तब सुर्खियों में आई थी जब मास्टर की पढ़ाई के दौरान उन्होंने मैकडॉनल्ड्स में पार्ट टाइम नौकरी की। इसी दौरान थाईलैंड

के तत्कालीन प्रधानमंत्री और उनके पिता के कार्यस्थल पर अचानक उतार-चढ़ाव आने से वह सुर्खियों में आ गईं।

होटल के सीईओ के रूप में भी किया काम : पैटोंगटार्न का सफर यहीं नहीं रुका। उन्होंने रैंड डेवलपमेंट कंपनी होटल के सीईओ के रूप में भी काम किया, जहां उन्होंने अपने नेतृत्व कौशल को निखारा। वे इस पद पर तब तक रहीं जब तक कि उन्होंने राजनीति में पूरी तरह से कदम नहीं रखा।

दो बच्चों की मां हैं नई पीएम : पैटोंगटार्न ने कमर्शियल पायलट पिडोक सूकसावास से शादी की। दंपती के दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी हैं। बेटे को उन्होंने ने पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान जन्म दिया था।

साल 2021 में आई राजनीति में : 2021 में, उन्होंने फिउ थाई पार्टी के साथ अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। इस कदम ने उनके जीवन में एक नया मोड़ लाया, और जल्द ही वे पार्टी के भीतर एक प्रमुख नेता बन गई। 2023 के चुनाव में, वे फिउ थाई पार्टी का महत्वपूर्ण चेहरा बनीं। उन्होंने कम उम्र में ही देखा कि कैसे उनके पिता को राजनीतिक संघर्षों के कारण देश छोड़ना पड़ा और परिवार को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। साल 2023 के चुनावों में जब वह फेउ थाई के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों में से एक थीं। अपनी गर्भावस्था के आखिर तक पैटोंगटार्न शिनावात्रा पूरे थाईलैंड में चुनाव प्रचार करती नजर आई थीं। मगर, मतदान के दिन से ठीक दो हफ्ते पहले उन्होंने बच्चे को जन्म दिया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में वह फर्म एससी एसेट कॉर्प पीसीएल की सबसे बड़ी शेयरधारक हैं, जिनकी 28.5 फीसदी हिस्सेदारी (लगभग 152 मिलियन डॉलर) है। फोर्ब्स के अनुसार, पैटोंगटार्न के पिता थाकसिन शिनावात्रा की अनुमानित संपत्ति 2.1 बिलियन डॉलर है। वह थाईलैंड में 10वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। थाकसिन कभी मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब के मालिक थे। उन्होंने अपनी दूरसंचार कंपनी से प्राप्त धन से राजनीति में प्रवेश किया।

जॉर्ज सोरोस को अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देंगे बाइडेन

व्हाइट हाउस बोला- उन्होंने दुनियाभर में लोकतंत्र को मजबूत किया; कुल 19 लोग होंगे सम्मानित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन आज शनिवार को व्हाइट हाउस में 19 लोगों को प्रतिष्ठित प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करेंगे। यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। इनमें विवादों में रहने वाले बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस का नाम भी शामिल है। सोरोस के अलावा इस लिस्ट में पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन, फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेस्सी, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन, एक्टर डेंजेल वॉशिंगटन जैसे दिग्गजों का भी नाम है। जिन लोगों को पुरस्कार मिला है वे राजनीति, खेल, एंटरटेनमेंट, ह्यूमन राइट्स, विज्ञान जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इस लिस्ट में सोरोस का नाम जोड़ने को लेकर व्हाइट हाउस ने बयान भी दिया है। जॉर्ज सोरोस को इसलिए सम्मानित किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने दुनियाभर में ऐसे संगठन का समर्थन किया है जो लोकतंत्र, मानवाधिकार, शिक्षा और सामाजिक न्याय को मजबूत करते हैं। जॉर्ज सोरोस अमेरिकी अरबपति और वामपंथी विचारक हैं। उन पर भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए विपक्ष के साथ साजिश रचने का आरोप लग चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के विरोधी रहे हैं जॉर्ज

सोरोस जॉर्ज सोरोस का जन्म 12 अगस्त, 1930 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में हुआ था। जॉर्ज पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का एजेंडा चलाने का आरोप है। सोरोस की संस्था 'ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' ने 1999 में पहली बार भारत में एंट्री की। 2014 में इसने भारत में दवा, न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने और विकलांग लोगों को मदद करने वाली संस्थाओं को फंड देना शुरू किया। 2016 में भारत सरकार ने देश में इस संस्था के जरिए होने वाली फंडिंग पर रोक लगा दी। अगस्त 2023 में जॉर्ज का म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल में दिया बयान बेहद चर्चा में रहा। जब उन्होंने कहा था कि भारत लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। किन लोगों को दिया जाता प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम सम्मान व्हाइट हाउस के मुताबिक यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका की समृद्धि, मूल्यों, वैश्विक शांति या या फिर सामाजिक, सार्वजनिक क्षेत्रों अहम योगदान दिया है। इस मामले में व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा- उन्हें इसलिए चुना गया है क्योंकि वे अच्छे लोग हैं जिन्होंने अपने देश और विश्व के लिए असाधारण योगदान दिया है। इस साल सम्मानित होने वाले और लोगों में एक एनजीओ के संस्थापक जोस एंड्रेस और पर्यावरणविद रिसर्चर जेल गुडॉल का नाम शामिल है। हिलेरी क्लिंटन अमेरिका की विदेश मंत्री रह चुकी है। उन्होंने साल 2016 में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था। उस दौरान वो हार गईं थीं। चार लोगों को मरणोपरांत पुरस्कार मिलेगा चार पदक मरणोपरांत दिए जाने हैं। इनमें डेमोक्रेटिक नेता फैनी लू हैमर, पूर्व अटॉर्नी जनरल रॉबर्ट कैनेडी, मिशिगन गवर्नर जॉर्ज रोमनी और पूर्व रक्षा सचिव ऐश कार्टर शामिल हैं।

अफगानिस्तान पुलिस ने 1,000 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को किया जब्त

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी निमरोज प्रांत में काउंटर नार्कोटिक्स पुलिस ने एक बड़ी तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने 1,000 किलोग्राम से अधिक अवैध ड्रग्स और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों को जब्त किया। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया। साथ ही एक अन्य अभियान में, पुलिस ने निमरोज प्रांत के कांग जिले में भी एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 66 किलोग्राम अफीम बरामद की। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने अफीम की खेती, ड्रग्स के प्रसंस्करण और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने अफगानिस्तान को नशीली दवाओं से मुक्त बनाने की प्रतबिद्धता जताई है। अफगानिस्तान लंबे समय से युद्ध और गृहयुद्ध के कारण बुरी तरह प्रभावित रहा है और यहां के तीन मिलियन से अधिक लोग नशीली दवाओं के आदी हैं। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए अफगान सरकार ने नशीली दवाओं के उत्पादन और लत को खत्म करने के लिए कठोर कदम उठाने का संकल्प लिया है। इस दिशा में एक पहल के रूप में, काबुल के पास पुल-ए-चरखी इलाके में एक पुनर्वास केंद्र स्थापित किया गया है, जहां नशीली दवाओं के आदी 550 लोगों को व्यावसायिक

प्रशिक्षण दिया जा रहा है। फरीदुल्लाह, जो इस केंद्र में पांच महीने से रहकर जूता बनाने का प्रशिक्षण ले रहा है, ने बताया कि वह अब स्वस्थ है और भविष्य में जूता बनाने की दुकान खोलने का सपना देखता है। उसने नशे के आदी लोगों से अपील की कि वे नशे को छोड़कर पुनर्वास केंद्र में शामिल हों। यहां आकर वे लोग एक नया कौशल सीख सकते हैं और अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। वश्विवद्यिालय का एक पूर्व छात्र सईद यासर सदात यहां अब इलेक्ट्रो-मैकेनिक्स का अध्ययन कर रहा है। वह भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत की दुकान खोलने की योजना बना रहा है। उसने प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अब वह अपने भविष्य के लिए तैयार है। शिविर के निदेशक एज़ातुल्लाह रहमत ने कहा कि डेढ़ साल में 1,600 लोग इस शिविर से प्रशिक्षित हो चुके हैं। तीन महीने के उपचार के बाद, ठीक हो चुके नशेड़ी इस शिविर में आते हैं।

मालदीव ने वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को झूठा बताया

माले, एजेंसी। मालदीव ने वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट को झूठा करार दिया है। भारत के दौरे पर आए मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने शनिवार को एक न्यूज चैनल से इंटरव्यू में कहा कि कुछ लोग दोनों देशों के रिश्तों में दरार डालना चाहते हैं। हमने वो खबर देखी है। हमें नहीं पता कि उन्हें ये जानकारी कहां से मिली। खलील ने कहा- ये रिपोर्ट फर्जी, झूठी और बेबुनियाद है। इस रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है। मालदीव और भारत सरकार दोनों समझते हैं कि हम आपस में अच्छे और मजबूत रिश्ते रखने के लिए काम कर रहे हैं। अब्दुल्ला खलील भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। इस दौरान भारत-मालदीव के बीच द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्रा के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने की बात हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है।

भारत ने कहा था- वॉशिंगटन पोस्ट की कोई साख नहीं : भारत ने शुक्रवार को इस रिपोर्ट को झूठा बताया था और वॉशिंगटन पोस्ट की साख पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था- आप उनकी एक्टिविटी में एक पैटर्न देख सकते हैं। मैं उन पर यकीन करने या फिर न करने का काम आप पर छोड़ता हूं। जहां तक हमारा सवाल है, हम मानते हैं कि उनकी साख नहीं है। रिपोर्ट में दावा- भारत ने चुनाव प्रभावित करने की कोशिश की 30 दिसंबर को छपी वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत ने मालदीव में हुए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। मोदी सरकार, भारत समर्थक इब्राहिम सोलिह को चुनाव जिताना जाहती थी। जब मुइज्जू ने चुनाव जीत लिया तो

मोदी सरकार ने भारत समर्थक नेता को मालदीव का राष्ट्रपति बनाने की कोशिश की थी। इसमें यह भी दावा किया गया था कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ ने मालदीव के विपक्षी पार्टी के नेताओं से राष्ट्रपति मुइज्जू को हटाने पर चर्चा भी की थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया था कि उसके पास डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नाम के कुछ दस्तावेज मौजूद हैं। इनमें मुइज्जू को सत्ता से हटाने की प्लानिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू को सत्ता से हटाने के लिए 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान बनाया गया था। इनमें मुइज्जू की पार्टी के सांसद भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सांसदों के अलावा सेना और पुलिस के 10 सीनियर अधिकारियों और कुछ आपराधिक गिरोहों को भी पैसे देने का प्लान बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए साजिश करने वालों ने 51 करोड़ रुपए की मांग रखी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने मालदीव के दो अधिकारियों के हवाले बताया है कि ये रकम भारत से मांगी जानी थी। हालांकि मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति और विपक्षी पार्टी के नेता, मोहम्मद नशीद ने भी इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें ऐसी किसी साजिश की जानकारी नहीं और भारत कभी भी ऐसी साजिश का समर्थन नहीं करेगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना में डाईंग और प्रिंटिंग मिलों द्वारा केमिकल मिश्रित पानी छोड़ने पर कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उधना में स्थित डाईंग और प्रिंटिंग मिलों द्वारा केमिकल मिश्रित पानी छोड़ने की समस्या को लेकर पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मिलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह पानी जलाशयों और आसपास के पर्यावरण के लिए खतरे का कारण बन रहा है, और स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। इसलिए, अधिकारियों से इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की गई है।

उधना क्षेत्र में स्थित बमरोलि डाईंग यूनिट्स और तपेला डाईंग द्वारा जी.पी.सी.बी. के नियमों के अनुसार उपचार किए बिना ड्रेनेज लाइन में केमिकल युक्त रंग वाला दूषित पानी छोड़ा जा रहा है। इसके कारण सूरत महानगरपालिका के बमरोलि टर्सरी ट्रीटमेंट प्लांट और सुएज़ ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता लगभग 50 प्रतिशत तक घट गई है, जो एक गंभीर समस्या है।

झोन और मुख्य ड्रेनेज विभाग द्वारा संयुक्त स्थल जांच के दौरान उधना क्षेत्र में स्थित विभिन्न डाईंग और प्रिंटिंग मिलों तथा तपेला डाईंग चलाने वाले उद्योगपतियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन मिलों से बिना जी.पी.सी.बी. के नियमों के अनुरूप उपचार किए गए बिना दूषित रंगयुक्त केमिकल मिश्रित पानी अवैध रूप से सूरत महानगरपालिका की ड्रेनेज लाइन में छोड़ा जा रहा था। इन इकाइयों के सैंपल लिए गए हैं। इसलिए, सूरत महानगरपालिका की लैब में किए गए सैंपल परीक्षण में यह पाया गया कि पानी में निर्धारित मानकों से अधिक मात्रा में केमिकल मिला हुआ था। सैंपल के परिणाम दर्शाते हैं कि यह निर्धारित पैरामीटर की सीमा के भीतर नहीं है।

सैंपल के परिणामों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न इकाइयों द्वारा जी.पी.सी.बी. के नियमन के अनुसार पालन न करने का स्पष्ट रूप से पता चलता है। अवैध रूप से दूषित रंगयुक्त केमिकल मिश्रित पानी सूरत महानगरपालिका की ड्रेनेज मशीनहोल में छोड़ा जा रहा था, जो एक गंभीर समस्या है।

डाइंग को क्लोजर नोटिस जारी करें कामगारों को जागरूकता अभियानों के तहत उपचार किए बिना दूषित रंगयुक्त केमिकल मिश्रित पानी छोड़ने वाले इकाइयों के सैंपल लेकर नोटिस दी गई है। निर्धारित पेरामीटर का पालन न होने के कारण सूरत महानगरपालिका के मशीन हॉल में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट के बिना दूषित रंगयुक्त केमिकल मिश्रित पानी न आने के लिए कार्यक्षेत्र में संबंधित नियमन के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि, मिल मालिकों द्वारा जी.पी.सी.बी. से प्राप्त एन.ओ.सी. की शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए, लैब रिपोर्ट के आधार पर, उपरोक्त गतिविधियों को देखते हुए आपके विभाग द्वारा क्षेत्र के डाइंग और प्रिंटिंग मिलों तथा तपेला डाइंग को क्लोजर नोटिस जारी करना आवश्यक है। इस कदम से सूरत महानगरपालिका के सुएज़ ट्रीटमेंट और टर्सरी ट्रीटमेंट प्लांट को होने वाले नुकसान को रोका जा सकता है।

गुजरात की आत्मा जागनी चाहिए.. कहकर गोपाल इटालिया ने खुद को ही पट्टा मारा!

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक वीडियो में गोपाल इटालिया ने कहा, "गुजरात की आत्मा जागनी चाहिए..." और इसके बाद उन्होंने खुद को पट्टा मारा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें गोपाल इटालिया अपने बयान के साथ अपने आत्मविश्वास और राज्य के प्रति अपनी भावना को व्यक्त करते हुए दिख रहे हैं। इस घटना ने चर्चा का विषय बना लिया है और लोग इसे विभिन्न दृष्टिकोणों से देख रहे हैं।

अमरेली लैटरकांड की पीड़िता से कांग्रेस नेता परेश धनानी और प्रताप दूधाते ने उसके घर जाकर मुलाकात की। इस दौरान पीड़िता ने तीन दिनों के दौरान पुलिस द्वारा उसके साथ क्या हुआ, इसकी आपबीती सुनाई। पीड़ित बेटी ने कहा कि पुलिस ने उसे डराया और पैरों में पट्टा मारा था।

इस बयान के बाद, आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल इटालिया ने एक कार्यक्रम में खुद को पट्टा मारकर गुजरात की आत्मा को जागृत करने का प्रयास किया। इस घटना ने कई सवाल उठाए हैं और राज्य में पुलिस के रवैये को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

सूरत में बाइक चोरी कर अन्य राज्यों में बेचने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बाइक चोरी कर अन्य राज्यों में बेचने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पहले भी इस तरह की चोरी और तस्करी के मामलों में जेल जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार, ये आरोपी सूरत से महंगी बाइक चोरी कर उन्हें राजस्थान, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में कम कीमत पर बेच देते थे। चोरी की गई बाइकों का नंबर प्लेट और इंजन नंबर बदल दिया जाता था ताकि उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो।

पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की और आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने अब तक कई बाइक चोरी की घटनाओं को कबूल किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की गई बाइकों को भी बरामद किया है और मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

यह खुलासा सूरत में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

सूरत में बाइक चोरी की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसी बीच, चोरी की दो पांच मोटरसाइकिलों के साथ क्राइम ब्रांच की टीम ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में वाहन चोरी के 5 मामलों का खुलासा हुआ है।

आरोपियों ने सूरत शहर में रात के समय बाइकों की चोरी की थी। चोरी के बाद वे वाहनों को छिपा देते थे। जब 10 मोटरसाइकिल इकट्ठा हो जाती थीं, तो वे उन्हें दूसरे राज्य में बेचने के लिए ले जाते थे।

क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई से न केवल बाइक चोरी के मामलों को सुलझाने में मदद मिली है, बल्कि शहर में इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी सफलता मिली है। मामले की आगे की जांच जारी है।

5 बाइक बरामद लिंबायत के कैलाश नगर पब्लिक रोड से आरोपी राहुल उर्फ हांक्या सुनील घोड़े और अविनाश उर्फ आदिनाथ युवराज बोरसे को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने बुलेट बाइक सहित कुल 1.80 लाख रुपये मूल्य की 5 बाइक बरामद की हैं।

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि डिंडोली पुलिस स्टेशन में दर्ज वाहन चोरी के 3 और लिंबायत पुलिस स्टेशन में दर्ज 2 मामलों का इन आरोपियों से संबंध है। इस कार्रवाई से कुल 5 चोरी के मामलों का समाधान हो गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पैसों की जरूरत के चलते की चोरी पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी अविनाश उर्फ आदिनाथ ने खुलासा किया कि वह पहले भी वाहन चोरी के मामलों में पकड़ा जा चुका है। हाल ही में जेल से रिहा होने के बाद उसे पैसों की जरूरत थी। इसके चलते उसने अपने दोस्त राहुल उर्फ हंक्या के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई।

राहुल, जो महाराष्ट्र के धुले शहर में लूट और हत्या के मामलों में आरोपी रह चुका है, अविनाश के साथ सूरत शहर में रात के समय बाइक चोरी करता था। चोरी की गई बाइकों को ये लोग छिपा देते थे और जब 10 मोटरसाइकिल इकट्ठा हो जाती थीं, तो उन्हें दूसरे राज्य में बेचने ले जाते थे।

पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

सुनसान जगहों पर छिपाकर रखते थे आरोपी विशेष रूप से सूरत शहर में अलग-अलग स्थानों पर रात के समय दू-

व्हीलर मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। वे धातु के तार की मदद से फ्यूज को इलेक्ट्रिक सॉकेट से अलग कर बाइक स्टार्ट कर चोरी करते थे। चोरी के बाद, ये मोटरसाइकिलें को सूरत में सुनसान जगहों पर छिपाकर रखते थे। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

सूरत में मोबाइल न देने पर 18 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली।

24 घंटे के अंदर दूसरी ऐसी घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पहली घटना में, युवती ने अपने माता-पिता से मोबाइल फोन की मांग की थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे फोन खरीदने में असमर्थ थे। इससे युवती ने गुस्से और निराशा में आकर आत्मघाती कदम उठाया।

इस घटना ने सूरत में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और परिवार में संवाद की कमी पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि माता-पिता और बच्चों के बीच खुला संवाद होना चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवती के परिवार को काउंसलिंग के लिए सहायता प्रदान की जा रही है।

राज्य में आत्महत्या की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है और समय-समय पर विभिन्न कारणों से जीवन समाप्त करने के मामले सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में सूरत में एक और आत्महत्या का मामला सामने आया है। 6 जनवरी पांडेसरा इलाके में एक 18 वर्षीय युवती ने मोबाइल को लेकर आत्महत्या कर ली।

मामले के अनुसार, युवती ने परिवार से मोबाइल फोन की मांग की थी, लेकिन किसी कारणवश उसकी यह मांग पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद, नाराज और परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया।

इस घटना ने समाज में बढ़ती अपेक्षाओं और मानसिक तनाव के गंभीर मुद्दे को फिर से उजागर कर दिया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और युवती के परिवार को काउंसलिंग के लिए सहायता दी जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों को रोकने के लिए, परिवारों में संवाद और मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पांडेसरा के शिवनगर इलाके में रहने वाली 18 वर्षीय युवती, जिसका नाम दीपा था, पूरा दिन मोबाइल में व्यस्त रहती थी। परिवार में खाना बनाते समय खाने में ज्यादा नमक डालने पर पिता ने उसे डांट दिया। यह बात युवती को इतनी बुरी लगी कि उसने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती के शव को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। यह घटना परिवार में छोटे विवादों और मानसिक तनाव के कारण बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं को उजागर करती है। विशेषज्ञों का मानना है

रेनजरोवर में गांजा लेने आया जेनीश काथरोटिया पकड़ा गया

बड़े पैमाने पर खरीदारी कर अपने ग्रुप में बिक्री करता था, 15 लाख की कीमत का 500 ग्राम गांजा मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में रेनजरोवर में गांजा लेने आए एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी बड़े पैमाने पर गांजा खरीदकर अपने ग्रुप में बेचता था। पुलिस ने उसके पास से 500 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है।

इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है और मामले की आगे जांच की जा रही है। आरोपी का नेटवर्क और इससे जुड़ी अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

सूरत शहर से 15 लाख की कीमत के हाईब्रिड गांजे के साथ पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस रैकेट से जुड़े अन्य व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

शहर के इंडोर स्टेडियम के पास रेंज रोवर कार लेकर डिलीवरी लेने आए नबीरो और डिलीवरी देने आए व्यक्ति को पुलिस ने दबोच लिया। उनके पास से 500 ग्राम हाईब्रिड गांजा बरामद हुआ है। लक्जरी कार में गांजा लेने आया युवक अपने ग्रुप में पैसे लेकर गांजे की बिक्री करता था।

गांजे की तस्करी में और कितने लोग शामिल हैं, इस दिशा में

पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

सूरत के इंडोर स्टेडियम के पास गांजे की डिलीवरी होने की सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी की थी। इस दौरान रेंज रोवर कार लेकर गांजा लेने पहुंचे लकड़ी के व्यापारी हार्दिक परमार और गांजा डिलीवरी करने आए जेनीश काथरोटिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से 15 लाख रुपये कीमत का हाईब्रिड गांजा बरामद हुआ था।

रॉकी नाम के शख्स के लिए काम करता था जेनीश काथरोटिया, जो वराछा में रहता है, ड्रग्स तस्करी में मुख्य आरोपी रॉकी के लिए काम करता था। वह हर महीने 10 हजार रुपये की सैलरी पर गांजे के पार्सल की सप्लाई करता था। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ है कि जेनीश को इन पार्सल को खोलने से मना किया गया था।

वराछा की मोबाइल शॉप पर पैसे की लेन-देन होती थी इस मामले में आरोपी इंडोर स्टेडियम के पास गांजा डिलीवरी के लिए इकट्ठा हुए थे। पैसे की लेन-देन के लिए वराछा की च्छाई स्टोरज नामक मोबाइल दुकान का इस्तेमाल किया जाता था।

NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और मुख्य सप्लायर रॉकी सहित नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस जांच तेज कर दी है। सूरत पुलिस ड्रग्स वितरण के सभी स्तरों तक पहुंचने की कोशिश में है। NDPS एक्ट, 1985 की धारा 8(C), 20(B) II(A), 29 के तहत पुलिस ने दो आरोपियों को 42 लाख रुपये से अधिक की अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

बंद मकान से महिला की सड़ी-गली लाश मिली

असहनीय दुर्गंध से लोगों ने पुलिस को सूचना दी पति दो दिन से फरार होने के कारण शक के दायरे में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक बंद मकान से महिला की सड़ी-गली लाश बरामद की गई। असहनीय दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया और मामले की जांच शुरू की। महिला के पति की तलाश की जा रही है, जो दो दिन से फरार है, और वह शक के दायरे में है।

सूरत के पांडेसरा इलाके में हत्या के संदिग्ध मामले ने हलचल मचा दी है। कर्मयोगी सोसाइटी के एक कमरे से 35 वर्षीय लक्ष्मीबेन कृष्णा स्वाइनी की सड़ी-गली लाश मिली, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मीबेन की लाश घर के अंदर पाई गई थी, और मकान बाहर से बंद था। पति पिछले दो दिनों से संपर्क में नहीं था, जिसके कारण वह शक के दायरे में आया है।

पुलिस ने दरवाजा खोलते हुए पलंग पर शव पाया कर्मयोगी सोसाइटी के प्लॉट नंबर 457-58 में स्थित कमरे से असहनीय दुर्गंध आने के कारण आस-पास के निवासी सांस लेने में कठिनाई महसूस कर रहे थे। इस असहनीय स्थिति को देखते हुए लोगों ने पांडेसरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कमरे के दरवाजे पर लगे ताले को तोड़ा और अंदर प्रवेश किया, जहां पलंग पर लक्ष्मीबेन का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। हत्या की आशंका जताई जा रही है।

महिला का पति दो दिनों से फरार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि महिला के पति ने पिछले दो दिनों से उससे संपर्क तोड़ लिया था और वह दोनों दिनों से गायब था। पुलिस को संदेह है कि पति ने लक्ष्मीबेन की हत्या करने के बाद घर के बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया होगा। निवासियों ने बताया कि पिछले दिनों पति और पत्नी के बीच तनावपूर्ण संबंध देखे गए थे, जिससे हत्या की आशंका को और मजबूत किया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच की और जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं, इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नई सिविल अस्पताल भेजा गया है। एसीपी जेड. आर. देसाई ने बताया कि इस घटना में हत्या की आशंका है,

IIM बेंगलुरु में सूरत के छात्र की रहस्यमय मौत

हॉस्टल में जन्मदिन पार्टी के बाद रात को बेहोश मिला, शराब के नशे में दूसरे मंजिल से गिरने की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक छात्र की बेंगलुरु में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि छात्र ने अपने हॉस्टल में जन्मदिन की पार्टी की थी, और उसके बाद रात को वह बेहोश पाया गया। पुलिस को संदेह है कि वह शराब के नशे में था और शायद दूसरे मंजिल से गिर गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बेंगलुरु में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे सूरत के छात्र की रहस्यमय मौत हो गई। छात्र हॉस्टल के कैंपस में बेहोश हालत में मिला था। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि छात्र ने अपना 29वां बर्थडे पार्टी के रूप में मनाया था और केक भी काटा था, उसके बाद यह घटना हुई। युवक के शराब के नशे में दूसरे मंजिल से गिरने की संभावना है। इस मामले में बेंगलुरु पुलिस ने छात्र के परिवार को सूचित किया, जिसके बाद परिवार सूरत से बेंगलुरु के लिए रवाना हो चुका है।

माइको लेआउट पुलिस स्टेशन के गिरिश ने बताया कि इस मामले में छात्र की दूसरे